आषाढ़ शुक्ल पक्ष -6, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 21 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 जुलाई 2024 गुरुवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

डेंगू रोकने ड्रोन से ढूंढे जा रहे मच्छरों के ठिकाने

इंदौर, एजेंसी।

डेंगू मलेरिया के बढते प्रकोप को थामने के लिये इंदौर में ड्रोन सर्वेक्षण शुरू किया गया है। भंवरकुआं और विष्णुपुरी इलाकों में यह सर्वेक्षण किया गया। जिसमें मच्छरों के पनपने के स्थानों का पता चला। 198 स्थानों पर खुली पानी की टंकी की पहचान ड्रोन से की गई। अब टीम इन क्षेत्रों में जाकर रहवासियों से टंकियों को ढंकने के लिए आग्रह करेगी। यहां लार्वा को खत्म करने के लिए ड्रोन से छिड़काव किया जाएगा। अब तक इंदौर में डेंगू के मरीजों की संख्या 113 तक पहुंच गई है। ड्रोन की मदद से मच्छरों के प्रजनन के क्षेत्रों को ढूंढा जा रहा है। बड़ी इमारतें, खुली पानी की टंकियां, टायर और कई अन्य स्थान हैं, जहां बारिश के पानी के कारण लार्वा विकसित हो सकता है। यहां लार्वा को नष्ट करने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जाएगा।

बजटः अर्थशास्त्रियों के साथ मोदी का मंथन

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ बैठक कर आम बजट के संदर्भ में उनकी राय जान रहे हैं। यह बैठक मुख्य रूप से आम बजट के प्रावधानों के जरिए विकसित भारत का रोडमैप तैयार करने, निवेश हासिल करने के लिए आर्थिक सुधार की रफ्तार तेज करने और मध्य-निम्न मध्यवर्ग को राहत देने के उपायों पर केंद्रित है।

जानकारी के मुताबिक बैठक में नीति अयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और अन्य सदस्य, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट पेश करेंगी। इस बार आम बजट में उद्योग के साथ मध्य और निम्न मध्यवर्ग को बड़ी राहत मिलने की संभवना जताई जा रही है।

केंद्र सरकार व एनटीए ने फिर कहा-टेलीग्राम पर वायरल वीडियो फेक

नीट परीक्षा गड़बड़ी पर सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी।

देशभर के छात्रों की नजरें आज सुप्रीम कोर्ट पर टिकीं हैं। पेपर लीक से जुड़ी नीट परीक्षाओं पर आज दोपहर बाद सुप्रीम फैसला आने के आसार हैं। सीबीआई ने आज कोर्ट में नीट पेपर लीक केस में अब तक की जांच रिपोर्ट सौंप दी है। मगर इससे पहले ही नीट यूजी पर दो बड़े घटनाक्रम भी हुए हैं। केंद्र सरकार और एनटीए दोनों ने अपने जवाब के साथ हलफनामे दायर कर दिए हैं। दोनों पक्षों के जवाब नीट यूजी परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी के खिलाफ हैं। एनटीए ने कहा कि पेपर लीक का जो वीडियो टेलीग्राम पर वायरल हुआ था, वो फेक है। आज सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच नीट पर सुनवाई कर रही है। वहीं सुनवाई शुरू होने से पहले एक वकील ने कोर्ट में एनटीए से कैंडिडेट्स की ओरिजिनल ओएमआर शीट प्रस्तुत करने को कहा। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि केस की सुनवाई तक इंतजार करें।

इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने 8 जुलाई को सुनवाई में नीट परीक्षा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठाए थे, मसलन -नीट पेपर लीक से क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है? नीट परीक्षा शुरू होने के समय और पेपर लीक होने के बीच कितना टाइम डिफरेंस था? क्या गड़बड़ी करने वालों की पहचान संभव है, ताकि सिर्फ उन्हीं के लिए री टेस्ट लिया जा सके? किन शहरों, सेंटर्स पर नीट पेपर लीक हुआ, ये पता करने के लिए एटीए ने क्या कदम उठाए? नीट क्वेश्चन पेपर तैयार करने, प्रिंट करने और सेंटर तक पहुंचाने का पूरा प्रॉसेस क्या है? गौरतलब है कि पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि अगर लीक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुआ है, तो यह व्यापक हो सकता है। मगा एनटीए ने दोहराया कि पटना में कथित पेपर लीक मामले ने पूरी परीक्षा की पवित्रता को प्रभावित नहीं किया है। भारत सरकार ने भी परीक्षा में धांधली की बात नकार दी है।

सीएम ने रूद्राक्ष और मप्र पुलिस ने एक साथ रोपे सवा लाख पौधे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में पुलिस की 25वीं बटालियन में आज एक पेड़ मां के नाम बृहद अभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रुद्राक्ष का पौधा लगाकर की। इसी दौरान संपूर्ण प्रदेश की पुलिस इकाइयों में एक साथ 1 लाख 25 हजार पौधे रोपे गए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर आरंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान ने पूरे देश में जन अभियान का स्वरूप ले लिया है। मप्र में 5 करोड़ 51 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामाजिक चेतना को जगाने की कोशिश है। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पौधारोपण को अपनी प्राथमिकता में शामिल करना पुलिस की संवेदनशीलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री यादव ने नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस की कार्यवाही और संपूर्ण प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस की कार्य प्रणाली की प्रशंसा की।

कर्नाटक में लोकायुक्त की 56 स्थानों पर छापेमारी

बेंगलुरू एजेंसी। लोकायुक्त संगठन ने आज सुबह कर्नाटकमें कई सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर बडे पैमाने पर छापेमारी की है। एक अधिकारी ने बताया कि लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के आरोपों और शिकायतों से जुड़े मामलों में छापेमारी की है। कुल नौ जिलों में 11 मामलों से जुड़ी छापेमारी की गई है। लोकायुक्त के 100 से अधिक अधिकारियों ने कलबुर्गी, मध्य, दावणगेरे, चित्रदुर्ग, धारवाड़, बेलगावी, कोलार, मैसूर, हासन और चित्रदुर्ग में छापे मारे। कुल11 मामलों के सिलसिले में 56 स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों के नेतृत्व में पुलिस दलों के साथ मिलकर तलाशी ली। मार्च में, बंगलूरू, बीदर, रामनगर, उत्तर कन्नड़ जिलों सहित अन्य जगहों पर इसी तरह की छापेमारी की गई थी।

कीमत थामने अब थोक खरीदारों को गेंहू बेचेगा केंद्र

नई दिल्ली एजेंसी। गेहूं और आटे की बढ़ रहीं कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए अब केंद्र सरकार थोक ग्राहकों को गेहूं बेचने की तैयारी में है। अगले महीने से आटा मिलर्स और बिस्किट निर्माताओं को गेहूं बेचा जाएगा। सरकार ने भारतीय खाद्य निगम को अपने भंडार से 23,250 रुपये प्रति टन पर गेहूं बेचने की मंजूरी दी है, जो मौजूदा खुले बाजार की कीमतों से करीब 12 फीसदी कम है। हालांकि, एफसीआई ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह खुले बाजार में कितना गेहूं बेचने की योजना बना रही है। उसने पिछले साल जून में निजी कंपनियों को गेहूं बेचना शुरू किया था। मार्च, 2024 तक एक करोड़ टन से थोड़ा अधिक गेहूं बेचा गया है। लगातार पांच रिकॉर्ड फसल के बाद भीषण गर्मी से 2022 और 2023 में गेहूं की फसल को नुकसान हुआ।

साइना से मुकाबला करने कोर्ट में उतरीं राष्ट्रपति !

नई दिल्ली , एजेंसी।

यदि कोई मुकाबला खेल दिग्गज और देश के शीर्ष व्यक्ति में हो तो माहौल कैसा होगा? यह नजारा दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में सामने आया जब खुद राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने भवन के बैडमिंटन कोर्ट में दिग्गज शटलर और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता साइना नेहवाल के साथ बैडमिंटन खेला। बैडमिंटन खेलने के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने मंझे हुए खिलाड़ी की तरह कई शॉट लगाए और उन्होंने कई मौके पर साइना नेहवाल को मात भी दी। अब इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है।

इससे पहले राष्टपति ने प्रतिष्ठित डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफी का अनावरण किया। सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्टपति का यह प्रेरणादायक कदम ऐसे समय में भारत के बैडमिंटन की महाशक्ति के रूप में उभरने के अनुरूप है, जब महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर बड़ा प्रभाव डाल रही हैं। साइना सहित पद्म पुरस्कार विजेता महिलाएं 'उनकी कहानी-मेरी कहानी' व्याख्यान श्रृंखला के तहत राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में व्याख्यान देंगी और दर्शकों से बातचीत करेंगी।

आज का कार्टून

पढ़ो भाई, ऐसे कैसे वकील बनोगे? सीजेआई की लॉ स्टूडेंट को नसीहत

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एक दिलचस्प वाकया सामने आया। चीफ जस्टिस की बेंच ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन के लिए कट-ऑफ स्कोर कम करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। इसमें जनरल कैटिगरी के लिए 45 और SC/ST के लिए 40 कटऑफ है। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने याचिकाकर्ता से कहा, अगर कोई इतना स्कोर नहीं कर सकता तो वह कैसा वकील होगा? आप इसे घटाने की बात कह रहे हैं। 'पढ़ो भाई, ऐसे कैसे वकील बनोगे? कट-ऑफ कम करने से बार में भर्ती होने वाले वकीलों की क्षमता पर असर पड़ेगा।

क्या होता है AIBE एग्जाम?: ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक परीक्षा है, जिसे लॉ ग्रेजुएट्स को भारत में वकालत करने के लिए अनिवार्य रूप से पास करना होता है। यह परीक्षा उन लॉ ग्रेजुएट के लिए है जो भारतीय अदालतों में प्रैक्टिस करना चाहते हैं। AIBE का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वकील के रूप में प्रैक्टिस करने वाले व्यक्ति में न्यूनतम कानूनी ज्ञान और विधिक कौशल हो। इस परीक्षा को पास करने के बाद, लॉ ग्रेजुएट को 'प्रैक्टिस सर्टिफिकेट' दिया जाता है, जो उन्हें भारतीय अदालतों में वकालत करने की अनुमति देता है।

ट्रक ने ऑटो को टक्कर मारी, एक ही परिवार के चार लोग की मौत

ग्वालियर। आज तडके पुरानी छावनी इलाके में हाईवे पर ऑटो और ट्रक में टक्कर से कई जान चली गई। खबर के मुताबिक इस हादसे में ऑटो सवार नरेश बाल्मीकि, उनकी पत्नी ऊषा, बेटा राहुल और भतीजी अंकिता की मौत हो गई। सभी मुरैना के बानमोर के रहने वाले थे। ऑटो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल बताया जाता है।नरेश और उनका परिवार बेटी निशा के देवर की शादी में भात देने मालनपुर (भिंड) गए थे। लौटते समय सुबह करीब 4 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। ऑटो को भतीजा अजय चला रहा था। जब वे महाराजपुरा थाना क्षेत्र की सीमा में पहुंचे तो तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी।

लखीमपुर खीरी में बाढ़ का कहर, शारदा नदी में फंसे 250 लोग

लखीमपुर खीरी । लखीमपुर खीरी में बाढ़ का कहर जारी है। शारदा-घाघरा नदियां उफनाने से करीब 150 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। धौरहरा तहसील के गांव रैनी समदहा के 250 ग्रामीण शारदा नदी के उस तलहटी में फंस गए। इसका पता चला तो प्रशासन ने बाढ़ से घिरे ग्रामीणों को रेस्क्यू कराना शुरू किया। एनडीआरएफ टीम ने गुरुवार 11 बजे तक 18 ग्रामीणों को रेस्क्यू किया है। करीब 20 वर्ष पहले आई बाढ़ के समय समदहा गांव के कटान पीड़ित शारदा नदी के पार बस गए थे। इस बार की बाढ़ में यह ग्रामीण फंस गए। ग्रामीणों के रेस्क्यू को लेकर एसडीएम राजेश कुमार मौके पर मौजूद हैं। पीड़ित परिवारों को लंच पैकेट पहुंचाए जा रहे हैं।

आज सिंगरौली से मुरैना तक भारी बारिश : आज मप्र के पूर्वी हिस्से रीवा-सीधी में आज भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने मऊगंज, सतना, मैहर, सिंगरौली, निवाड़ी, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना में भी तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। भोपाल में आज शाम तक बारिश के आसार हैं। इधर राजगढ़ जिले के पचोर में गुरुवार सुबह तेज गर्जना के साथ बारिश हुई। इससे लोगों को दो दिन से हो रही उमस से राहत मिली है।

मेट्रो एंकर

पर्यटकों के साथ कई स्थानों पर *लूट* और हमले की घटनाएं...

सतपुड़ा के घने जंगल और पचमढ़ी के कटखने कपि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सतपुडा पर्वत के घने जंगल भी मशहूर हैं और इन्हीं वादियों में मध्यप्रदेश के इकलौते हिलस्टेशन पचमढ़ी का भी नाम है। हालांकि अभी बारिश के चलते टूरिस्ट की संख्या कम हो चली है लेकिन यहां लाल मुंह वाले बंदरों का आतंक बढता जा रहा है। क्योंकि हाल तक चले जोरदार टूरिस्ट सीजन में उन्होंने कई पर्यटकों को हमला करके न सिर्फ घायल किया है बल्कि उनका सामान आदि भी 'लूटकर' भाग निकले। बताया जाता है कि कुछ पर्यटकों को तो इन बंदरों ने इस कदर घायल किया है कि डॉक्टरों को उनका ऑपरेशन तक करना पड़ा। यहां देखा जा रहा है कि बंदर बेकाबू होते जा रहे हैं। पहले पर्यटकों का ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर बंदरों की सामान झपटने की ही शिकायतें मिलती थीं, लेकिन अब यह मामला हमले तक जा पहुंचा है।

उल्लेखनीय है कि पचमढ़ी प्रदेश के साथ-साथ देश और विदेश में भी अपनी खूबसूरती के लिए विख्यात है इसलिये यहां कई राज्यों के पूरे साल टूरिस्ट आते रहते हैं। ऐसे में इन बंदरों का आतंक बड़ी मुसीबत बन गया है। बंदरों के हमलों की दर्दनाक कहानियां भी हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जबलपुर के एक परिवार के साथ हांड़ी-खो नाम की जगह पर बंदर ने एक महिला सदस्य पर हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें हाथ में गहरा जख्म हो गया। लिहाजा डॉक्टरों को दीपा का ऑपरेशन करना पड़ा। इस इलाज में घायल महिला को करीब सवा लाख रुपये खर्च करने पड़े।

पर्यटकों का कहना है कि अक्सर टूरिस्ट पर ये लाल मुंह के बंदर हमला कर देते हैं। इस पर स्थानीय प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। पिछले दिनों तो एक बंदर पर्यटक का बैग कार से निकाल कर भाग गया, उसमें बड़ी रकम रखी थी। बंदर ने वह बैग एक मकान के ऊपर जा कर खोल दिया और सारे नोट वहां फैला दिए। पचमढी का अधिकांश भाग सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में आता है।

बंदरों को खाना देना खतरनाक

सतपुडा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एल. कृष्णमूर्ति कह चुके हैं कि लाल मुंह वाले बंदरों को वन्यप्राणी की सूची से बाहर कर दिया है। इसलिए स्थानीय प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। जंगल महकमा अक्सर पचमढ़ी आने वाले पर्यटकों को हिदायत देता है कि किसी भी क्षेत्र में बंदरों को कोई खाने की वस्तु न दें और उनसे दूरी बनाए रखें। अगर टूरिस्ट बंदरों को खाना खिलाते दिखाई दिए तो उन पर जुर्माना तक लग सकता है।

अमरकंटक एक्सप्रेस के तीन कोचों के निचले हिस्से में भड़की आग

गार्ड की सतर्कता से टल गई बड़ी घटना

भोपाल/ इटारसी दोपहर मेट्रो

राजधानी से दुर्ग जाने वाली अमरकंटक एक्सप्रेस के तीन एसी कोचों के निचले हिस्से में अचानक आग लग गई। ट्रेन के गार्ड की सक्रियता से इस आग को समय पर बुझा दिया गया। अगर गार्ड की सक्रियता नहीं होती तो शायद अमरकंटक एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन में तब्दील भी हो सकती थी और बड़ी दुर्घटना के रूप में यह चिंगारी सामने परिणाम दिखाती।

दरअसल भोपाल से दुर्ग जाने के लिए निकली 12854 अमरकंटक एक्सप्रेस जब मिसरोद और मंडीदीप के बीच पटरी पर तेज रफ्तार से दौड़ रही थी इस समय गार्ड सौरभ चौहान को कुछ जलने की बदबू आई। संदेश होने पर उन्होंने पहले गार्ड का वेगन चेक किया और फिर बाहर जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। ट्रेन के एसी कोच क्रमांक बी-2,बी-3 और बी-4 कोच के पहियों के पास आग भड़क रही थी और गहरा धुंआ निकल रहा था। तेज रफ्तार ट्रेन में लग रही हवा से ट्रेन के कोचों में आग भड़कने का खतरा भांपकर तत्काल ही उन्होंने ड्राइवर को घटना की जानकारी देकर प्रेशर ड्रॉप कराकर ट्रेन खंभा नंबर 810/29 के पास रुकवाई। चौहान अग्निशामक यंत्र लेकर मौके पर पहुंचे और तीनों कोचों में सुलग रही आग को बुझाया। बताया जाता है कि रास्ते में ट्रेन करीब 20 मिनट तक खड़ी रही। जब आग बूझ गई तो ट्रेन को अगले स्टेशन पर खड़ी कराने के बाद सीएंडडब्लू स्टाफ से पूरा चेक कराया गया। जब सभी कोचों को सुरक्षित पाया गया तब ट्रेन को इटारसी के लिए रवाना किया गया।

भोपाल से उज्जैन के बीच नई स्पेशन ट्रेन कल से चलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अतिरिक्त यात्री यातायात को व्यवस्थित करने के लिये अब स्पेशन ट्रेनों का संचालन हो रहा है। इस कडी में उज्जैन-भोपाल-उज्जैन के मध्य ट्रेन 09313, 09314 स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन उज्जैन-भोपाल स्पेशल आज से 31 अगस्त तक उज्जैन से प्रतिदिन नौ बजे चलकर मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन 12⁻40 बजे संत हिरदाराम नगर और एक बजे भोपाल पहुंच रही है। इसी प्रकार ट्रेन 09314 भोपाल-उज्जैन स्पेशल 12 जुलाई से एक सितंबर तक भोपाल से प्रतिदिन 02.10 बजे चलकर, 02.35 बजे संत हिरदाराम नगर और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 07.20 बजे उज्जैन पहुंचेगी। रास्ते में दोनों दिशाओं में तराना रोड, मक्सी, काली सिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालीपीपल, सीहोर, संत हिरदाराम नगर स्टेशनों पर रुकेगी। बताया जाता है कि नान इंटरलाकिंग कार्य के चलते हजरत निजामुद्दीन से सिंगरौली एवं सिंगरौली से भोपाल एक्सप्रेस ट्रेनें पूर्व सूचना के अनुसार निरस्त चल रही थी। इसके चलते रेल प्रशासन ने एक-एक ट्रिप और निरस्त करने का निर्णय लिया है।

आज अपने प्रारंभिक स्टेशन निजामुद्दीन से चलने वाली ट्रेन 22168 निजामुद्दीन - सिंगरौली एक्सप्रेस ट्रेन को निरस्त किया है।इसी प्रकार 12 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन सिंगरौली से चलने वाली ट्रेन 22166 सिंगरौली - भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन को निरस्त किया है। ये दोनों ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर गुजरती है।

कोलांस के इलाके में भरपूर बरसात से भरेगा तालाब

जुलाई में अनमने मानसून से पिछड़ रही राजधानी,11 इंच बारिश की दरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब तक सबसे ज्यादा बारिश वाले जिलों में भोपाल शामिल तो हो गया है लेकिन दो दिन से बारिश बहुत कम होने से उमस तीखी हो चली है। अभी 12.1 इंच बारिश हो चुकी है। यह कोटे की 32त्न बारिश है। हालांकि ओवरऑल बारिश में भोपाल आगे जरूर है, लेकिन जुलाई की बारिश से पिछड़ रहा है। पिछले 10 दिन में सिर्फ 3 इंच ही बारिश हुई है। अगले 21 दिन में 11.4 इंच पानी गिरने पर जुलाई का कोटा पूरा होगा। हालांकि, अब अगले 4 दिन तेज बारिश का अलर्ट है। ऐसे में बारिश का आंकड़ा बढ़ सकता है और कोटे को लेकर चिंता कम हो सकती है।

गौरतलब है कि अक्सर भोपाल में जुलाई में खूब बारिश का रिकार्ड है। इस महीने में 1031.4 मिमी यानी 41 इंच के तक बारिश होने का भी रिकॉर्ड है। यह बारिश 1986 में हुई थी। जबकि 22 जुलाई 1973 को 24 घंटे में 11 इंच बारिश हुई थी। यह भी अब तक का रिकॉर्ड है। इस बार भोपाल मे मानसून ने 23 जून को मानसून ने आमद दी। जुलाई महीने की औसत बरसात 367.7 मिमी यानी 14.4 इंच है। अब एक से दस जुलाई तक भोपाल में 75.9 मिमी यानी करीब 3 इंच पानी गिर चुका है। कोटा पूरा होने में अब 11.4 इंच पानी की और जरूरत है। फिलहाल हुई बारिश से बडे तालाब में जलस्तर करीब डेढ़ फीट बढ़कर 1659 फीट पहुंच गया है। बड़ा तालाब के कैचमेंट एरिया और कोलांस नदी में भी पानी की अच्छी आमद है। लेकिन इस बार कोलांस के इलाके में भरपूर बारिश का इंतजार जारी है, भोपाल के पूर्वी क्षेत्र की सीमा के गांवों में भी किसानों को तेज और भरपूर बारिश का इंतजार है।

106 प्रतिशत बारिश होगी !

इस बार मानसून में भोपाल में इस साल सामान्य से 106प्रतिशत बारिश होने का अनुमान काफी पहले आय था। पिछले मौसम में 18प्रतिशत कम यानी, 82प्रतिशत (30.9 इंच) बारिश हुई थी, जबकि भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। मौसम वैज्ञानिकों का अब भी विश्वसा है कि मानसून 3 दिन की देरी से पहुंचा जरूर है लेकिन जमकर बरसेगा और मौसम के अंत तक यह सामान्य से ज्यादा पानी बरसाकर जायेगा।

तीन ट्रेनों से 704 अमरनाथ यात्री रवाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज शहर से पहली बार एक ही दिन में तीन अलग-अलग ट्रेनों में अमरनाथ यात्रियों के तीन जत्थे रवना हुए इनमें 704 शिव भक्त शामिल हैं। सुबह स्पेशल ट्रेन नंबर 16787 तिरुनेबेली श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा स्पेशल से, शाम को स्पेशल ट्रेन नंबर 09321 डा अंबेडकर नगर श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एवं मालवा एक्सप्रेस से रवाना हुए । इस जत्थे में भोपाल , बैरागढ़, विदिशा एवम मंडीदीप आसपास के ग्रामीण अंचल के भक्त शामिल हैं। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इन भक्तों के दल में सबसे कम उम्र 13 वर्षीय उदय साहू एवम सबसे बुजुर्ग 69 वर्षीय ओपी खरे शामिल है। बालटाल मार्ग से जाने वाले यात्रियों का मार्गदर्शन रिंकू भटेजा एवम प्रदीप सोनी द्वारा किया जाएगा । पहलगांव मार्ग से जाने वाले यात्रियों का मार्गदर्शन दिनेश यादव एवं दिव्या बोहरा द्वारा किया जाएगा। इस विशाल जत्थे का स्वागत विदिशा, बीना, ललितपुर में भी किया गया । भक्तों को बिदाई देने बालों में भाजपा विधायक भगवान दास सबनानी समेत अनेकलोग मौजूद थे।

प्रापर्टी टैक्स, लाइसेंस शुल्क अलग अलग लेने के निर्देश दिए महापौर ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स के साथ लाइसेंस शुल्क के लिए दबाव बनाने को लेकर व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल ने महापौर मालती राय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व पर थोक कप?ा व्यापारी संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी ने किया।

ज्ञापन में व्यापारियों ने कहा कि लाइसेंस शुल्क एवं प्रापट्री टैक्स को अलग-अलग कर लाइसेंस शुल्क को पूर्व की तरह कोड वाइस किया जाना चाहिए। नगर निगम द्वारा बीते तीन सालों से से प्रापट्री टैक्स एवं लाइसेंस शुल्क को साथ में करते हुए लाइसेंस शुल्क को 6 रूपये एवं 4 रूपये वर्ग फिट में कर दिया गया है, जो अधिक है। इसे लेकर व्यापारियों में असंतोष है। कोविड के बाद वैसे ही व्यापार काफी प्रभावित हुआ है एवं मंदी का दौर चल रहा है। नगर निगम द्वारा टैक्स में बढोत्तरी करना उचित नहीं है। व्यापारियों ने प्रापट्री टैक्स एवं लाइसेंस शुल्क को अलग- अलग कर दिया जाये क्योंकि लाइसेंस शुल्क व्यापारी भरते है। प्रापट्री टैक्स दुकान/मकान मालिक भरते हैं, जिससे कई बार विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है।

इसरानी ने बताया कि महापौर ने तुरंत ही एक्शन लेते हुए प्रॉपर्टी टैक्स एवं लाइसेंस शुल्क को अलग-अलग करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

थोक वस्त्र व्यवसाय संघ महापौर से मिला, ज्ञापन सौंपा

तुरंत एक्शन लेने पर थोक वस्त्र व्यवसाय संघ ने महापौर का आभार जताया है।

प्रतिनिधि मंडल में थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के पूर्व अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, वासदेव वाधवानी, मनोहर विधानी व अन्य व्यापारी शामिल थे।

मेट्रो एंकर

टैंपल ऑफ संबोधि में सुबह-शाम दिया जा रहा प्रशिक्षण

‘श्वांस को औषधि बनाएं, सांस कैसे लें समझना जरूरी’

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

श्वास आराम से लें, आराम से छोड़े। ज्यादा श्वास लेने से ज्यादा ऑक्सीजन मिलेगा ऐसा नहीं है। सहजता के साथ श्वांस लें। श्वांस लेने में यदि असहजता है तो समझ लिए शरीर अस्वस्थ है।

यह बात संतनगर के टैंपल ऑफ संबोधि में चल रहे योगा, श्वांस किया शिविर में वेदांत विचारक लालसाईं ने कही। उन्होंने कहा वजन कम करने लिए लोग कम कैलोरी का सेवन कर रहे हैं, जबकि वजन को कम करने के लिए श्वांस को अपनी औषधि बनाई। चाहकर भी वजन नहीं कर पा रहे तो मानिए आप श्वांस ठीक से नहीं ले रहे हैं। श्वांस लेने के बाद कितनी देर फेफड़ों में रोक सकते हैं, यह निरोगी और रोगी होने का अंतर समझाने वाला होता है। साईंजी ने कहा मुंह बंद करके, जीभ को तालू से लगाकर सहजता से श्वांस लें। शारीरिक मेहनत कर कुछ समय के लिए वजन को कम किया जा सकता है, लेकिन श्वांस क्रिया को समझकर आप फीट हो सकते हैं। श्वांस मस्तिष्क, एकाग्रता और स्फूर्ति देने वाली होती है। सहज नींद के लिए श्वांस को सहज करना होगा।

सुबह-शाम शिविर

बता दे संबोधि में पांच जुलाई से योगा, श्वांस क्रिया प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। सुबह के समय लालसाईजी पुरूषों को योगा और श्वांस लेने के टिप्स दे रहे हैं। शाम के समय महिलाओं को डॉ सरिता प्रशिक्षण दे रही हैं। शिविर का समापन 15 जुलाई को होगा।

श्री जगन्नाथ रथयात्रा संतनगर में 15 को

हिरदाराम नगर। अंतराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) संतनगर में श्री जगन्नाथ रथयात्रा निकालेगा। 15 जुलाई को रसानंद दास के सानिध्य में रथ यात्रा मुख्य मार्ग पर निकलेगी, जिसकी शुरूआत काली माता मंदिर चौराहे से प्रारंभ होगी। रेलवे स्टेशन चौराहा, भगत कंवरराम चौराहा, सिविल अस्पताल, बस स्टैण्ड, एफ वार्ड, ज्ञानचंदानी क्लीनिक रोड, चंचल स्वीट्स मार्ग, पंजाब नेशनल बैंक चौराहे से होती हुई इस्कॉन संतनगर केन्द्र पर समाप्त होगा। रथयात्रा में देश-विदेश के श्रद्धालु शामिल होंगे।

शाह 14 को आएंगे इंदौर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का करेंगे शुभारंभ

मंत्री इंदर सिंह परमार ने इन्हीं कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू करने का किया था ऐलान

जिन कॉलेजों का शाह करने वाले हैं शुभारंभ, उनमें ड्रेस कोड लागू करने पर छिड़ा घमासान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जिन कॉलेजों का 14 जुलाई को शुभारंभ करने वाले हैं उनमें ड्रेस कोड लागू किए जाने को लेकर घमासान मचा हुआ है। ये प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के नाम से 55 जिलों में शुरू किए जाने हैं। इनमें नई शिक्षा नीति के तहत युवाओं को शिक्षा दी जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने इन्हीं कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू करने की बात कही है, जो अगले छह माह में लागू कर दी जाएगी। कांग्रेस ने इस पर सरकार को घेर दिया है। कांग्रेस चीफ जीतू पटवारी ने मीडिया में एक बयान देते हुए कहा कि पेपरलीक कांड से युवाओं का भविष्य बर्बाद करने वाली राज्य व केंद्र की भाजपा सरकार अब ड्रेस कोड लाकर युवाओं को गुमराह करने जा रही है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने भी इस पर आपत्ति दर्ज कराई है। ड्रेस कोड को लेकर कर्नाटक में में विवाद हो चुका है। बीते वर्ष देशव्यापी सियासी घमासान छिड़ा था। जिसको लेकर युवा सड़कों पर उतरे थे। मामला हाईकोर्ट के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। स्कूल, कॉलेजों में पढ़ाई प्रभावित हुई थी।

कांग्रेस व अन्य संगठनों ने जताई आपत्ति

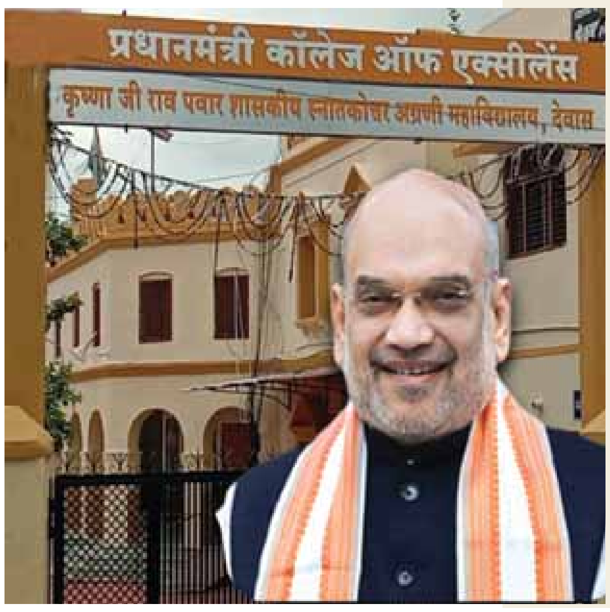

उच्च शिक्षा मंत्री का तर्क

मंत्री परमार के बयान के मुताबिक उनका मानना है कि प्राइवेट कालेजों में ड्रेस कोड सिस्टम है। जिसमें अमीर-गरीब स्टूडेंट एक समान नजर आते हैं। उसी तरह एमपी के सभी सरकारी कालेजों में इसे लागू करने की कोशिश है। इसके लिए सुझाव लिए जा रहे हैं। यह सभी की सहमति से होगा, किसी पर कुछ थोपने जैसी बात ही नही है। इसकी शुरुआत पहले एक्सीलेंस कॉलेजों के युवाओं से करेंगे।

पहली ही कैबिनेट बैठक से रावत गायब, साथी बोले...

चुनाव भी तो लड़ना है, जमीन तैयार कर रहे

– 8 जुलाई को रावत ने एक ही दिन में दो बार ली थी शपथ

– तब चर्चा में आए थे कांग्रेस से भाजपा में आए रावत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस से आकर भाजपा की सरकार में कैबिनेट मंत्री बने रामनिवास रावत एक बार फिर चर्चा में है। वह बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक से गायब रहने के कारण चर्चा में आए हैं। जिसके बाद उन्हीं के कुछ साथी और क्षेत्रीय मंत्रियों ने यह कहते हुए तंज कसा कि रावत जी मैदान में उतर गए है क्योंकि चुनाव लड़ना है और जीतना भी है तभी मंत्री शोभा देगा। शायद चुनाव की संभावित तैयारियों के चलते बैठक में शामिल नहीं हो पाए। एक दूसरे मंत्री साथी को मंत्रालय में यह भी कहते हुए सुना गया कि मंत्री रावत के निवास पर पूजन का कार्य चल रहा है संभवतः जिसके कारण वे शामिल नहीं हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार 8 जुलाई को हुआ था। जिसमें रावत को शपथ दिलाई थी। जब वे शपथ पढ़ रहे थे तब उन्होंने राज्य के मंत्री के रूप में कहने की बजाए राज्य मंत्री शब्द का उच्चारण कर दिया था। जिसके कुछ ही समय बाद उन्हें दोबारा शपथ दिलाई गई थी। रावत विजयपुर सीट से चुनाव जीते थे उन्होंने कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ा था। वह 6 बार के विधायक है। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के साथ आकर खड़े हो गए थे। उन्हें मुख्यमंत्री ने काफी अच्छा अनुभवी बताया था।

वीडी का दावा- मप्र में रोजगार बढ़ा, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में घटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा प्रदेश में रोजगार को लेकर सवाल खड़ा करती है,लेकिन उसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट का अध्ययन करना चाहिए, जिसमें मध्य प्रदेश में सात साल में 6 लाख नौकरियों के बड़ने की बात कही गई है और रोजगार में 12.2 प्रदिशत की वृद्धि हुई है। यह आंकडा दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में मध्यप्रदेश में रोजगार की संभावनाएं लगातार बड़ रही हैं। सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं व स्टार्टअप को बड़ावा देने से रोजगार के अवसर खुले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों पर नजर डालें तो मौजूदा वित्तीय वर्ष में देश में 6 प्रतिशत रोजगार बड़ा है। वहीं कांग्रेस व विपक्षी दलों की जहां सरकारें हैं वहां रोजगार कम हुआ है।

आंकडों की बाजीगरी कर रहे वीडी: कांग्रेस

दूसरी तरफ कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने शर्मा के रोजगार को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वी.डी. शर्मा को खुद नहीं पता कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने कितने रोजगार दिए हैं और कितने बेरोजगार हैं। वे पिछले 7 साल में 6-7 लाख रोजगार देने की बात किस आधार पर कर रहे हैं, शायद आंकड़ों से भलीभांति परिचित नहीं है या आंकड़ों की बाजीगरी से प्रदेश के युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। बरौलिया ने कहा कि इतने रोजगार तो पिछले 20 साल की भाजपा सरकार में भी युवाओं को नहीं मिले हैं। प्रदेश में 40 लाख से अधिक पंजीकृत बेरोजगार हैं जो रोजगार के लिए दर -दर की ठोकने खाने को मजबूर हैं। भर्ती परीक्षाओं के नाम पर कभी घोटाले के नाम पर और कभी पेपर लीक कर युवाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बरोलिया ने कहा कि रोजगार को लेकर युवाओं में भारी आक्रोश है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने जल जीवन मिशन की समीक्षा की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने मध्यप्रदेश के जलजीवन मिशन की समीक्षा की। बैठक में मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके भी उपस्थित थीं। मंत्री उईके ने बताया कि जल जीवन मिशन के माध्यम से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा प्रशासनिक अमला प्रधानमंत्री की आकांक्षाओं के अनुरूप हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने और जल संरक्षण की दिशा में कटिबद्ध है। बैठक में सचिव पी. नरहरि ने प्रदेश में जल जीवन मिशन में किए गए कार्यों की जानकारी दी।

विमान खरीद पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, कहा-पुराने का बीमा क्यों नहीं कराया था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र सरकार द्वारा करीब ढाई सौ करोड़ रूपऐ के चैलेंजर 3500 जेट विमान की खरीदी को मंजूरी पर कांग्रेस ने सवाल उठाये हैं तथा चार साल पहले दुर्घटनाग्रस्त विमान के मेंटेनेंस व्यवस्था को लेकर जवाब मांगा है। पार्टी ने कहा है कि - जिस विमान से मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री हवाई सफर करते थे, उसका बीमा आखिर क्यों नहीं कराया गया था। जिससे चार साल से वह विमान ग्वालियर में कबाड़ के रूप में पड़ा है।

कांग्रेस के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने कहा- वर्ष 2021 से एमपी सरकार विमान विहीन थी। किराए के विमान पर मुख्यमंत्री घूमते थे। कैबिनेट ने विमान खरीदने का फैसला किया है, इसमें कोई आपत्ति नहीं है मगर इतना बड़ा विमानन विभाग होने के बाद इतनी बड़ी लापरवाही की गई। विमान का बीमा तक नहीं कराया गया। उस सरकारी विमान में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री घूमते रहे हैं। बगैर मेंटेनेंस वाले विमान में उनकी जान को खतरा था। सरकार को बताना चाहिए कि उस दुर्घटनाग्रस्त विमान का बीमा किस अधिकारी ने नहीं कराया था तथा बीमा नहीं

होने की वजह से दुर्घटनाग्रस्त होने पर विमान भंगार की स्थिति में खड़ा है। अब 233 करोड़ रुपए में जो नया विमान खरीदा जा रहा है, उसका पैसा तो आम आदमी की जेब का ही जाने वाला है।मिश्रा ने कहा कि सरकार ने इसमें किसे दोषी माना है, यह बात सामने आना ही चाहिये क्योंक सामान्य आदमी अगर सड़क पर दो पहिया और चार पहिया वाहन पर चले तो दो किमी दूरी पर दस स्थानों पर चेकिंग होती है। उसके लाइसेंस और बीमा चेक किए जाते हैं, मगर करोड़ों रुपए का विमान जिसका बीमा नहीं था उसमें मुख्यमंत्री समेत केंद्रीय मंत्री घूमते रहे। यह ब?ा आपराधिक कृत्य है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित पंचायत सचिव को आयुष्मान भारत योजना का मिलेगा लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राज्य शासन द्वारा आयुष्मान भारत निरामय योजना में पूर्व में स्वीकृत पात्र श्रेणियों में सम्मिलित हितग्राहियों के अतिरिक्त, सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा तथा ऊषा कार्यकर्ता, आशा सुपरवाईजर, कोटवार एवं संविदा कर्मियों को प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य सुरक्षा लाभ स्वीकृत किया गया है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मो. सुलेमान ने महिला एवं बाल विकास, सामान्य प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं एमडी एनएचएम को पात्र हितग्राहियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं, जिससे पात्र हितग्राहियों को योजनानुसार लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

सफाईकर्मियों का प्रदर्शन, दिग्विजय बोले ठेका प्रथा बंद हो

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस सफाई कामगार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश भर के प्रकोष्ठ के सफाई कामगारों के हित और अधिकारों को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया गया। कार्यक्रम में सफाई मजदूर कामगार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एकत्र हुये जहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने उन्हें संबोधित किया। उसके बाद सभी कांग्रेसजन पैदल मार्च करते हुये मुख्यमंत्री निवास की ओर आगे बड़े। सफाई मजदूर कामगार के पदाधिकारियों ने नारेबाजी कर अपनी जायज मांगों के निराकरण किये जाने की पुरजोर मांग की। प्रशासन ने पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें रेडक्रास के पास रोक लिया और आगे नहीं जाने दिया गया। वहीं सिंह ने कहा कि सफाई कामगारों के साथ न्याय होना चाहिए, ठेका व्यवस्था बंद होना चाहिए और सफाई कामगारों के रिक्त पदों पर नई भर्ती की जाना चाहिए तथा उनके जीवन-यापन में सुधार लाने हेतु सरकार को नयी नीति लागू करना चाहिए। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सफाई मजूदर कामगारों की मांगों को जायज बताते हुये शीघ्र निराकरण किये जाने की सरकार से मांग की।

मेट्रो एंकर | मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में कई फैसले

विमुक्त, घुमन्तु व अर्द्ध-घुमन्तु वर्ग के विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों में इजाफे को मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध-घुमन्तु जनजाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावास, आश्रम और सामुदायिक कल्याण केन्द्रों में निवासरत विद्यार्थियों को अनुसूचित जाति कल्याण/ जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निर्धारित शिष्यवृत्ति दरों के अनुरूप युक्त-युक्तीकरण की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार बालकों को वर्तमान में प्रतिमाह देय शिष्यवृत्ति 1230 रुपए में वृद्धि कर 1550 रूपये एवं बालिकाओं को 1270 रूपये में वृद्धि कर 1590 रूपये प्रतिमाह दी जाएगी। साथ ही अनुसूचित जाति कल्याण/ जनजातीय कार्य विभाग द्वारा मूल्य सूचकांक के आधार पर आगामी शिष्यवृत्ति की दर में वृद्धि, विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध-घुमन्तु कल्याण विभाग के लिए भी मान्य किए जाने का निर्णय लिया गया है।

नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के क्रियान्वयन का अनुमोदन: मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रवर्तित योजना नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) को मध्यप्रदेश विधान सभा में क्रियान्वित करने के लिए 23 करोड़ 87 लाख रूपये की परियोजना का अनुमोदन दिया हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम में देश की समस्त विधान सभाओं को पेपर लेस करने एवं उन्हें एक प्लेटफार्म पर लाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रवर्तित योजना नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) लांच की गई है। लागत की 60 प्रतिशत राशि भारत सरकार तथा 40 प्रतिशत राज्य शासन द्वारा वहन की जाएगी। मंत्रि-परिषद द्वारा नर्मदा घाटी विकास विभाग की 9,271 करोड़ 96 लाख रूपये की लागत की 7 परियोजनाओं के निविदा आमंत्रण की अनुमति प्रदान की है। सोण्डवा उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, निवाली उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, सेंधवा उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, महेश्वर जानापाव उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, धार माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना, बड़ादेव संयुक्त माईक्रो सिंचाई परियोजना एवं माँ रेवा उद्वहन सिंचाई परियोजना के लिए निविदा आमंत्रण की अनुमति प्रदान की गई है। मंत्रि-परिषद द्वारा बोकरो माइक्रो सिंचाई परियोजना लागत राशि 46 करोड़ रूपये, सैंच्य क्षेत्र 3310 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना से तहसील रामपुरा नैकिन के 11 ग्रामों के कृषकों को सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

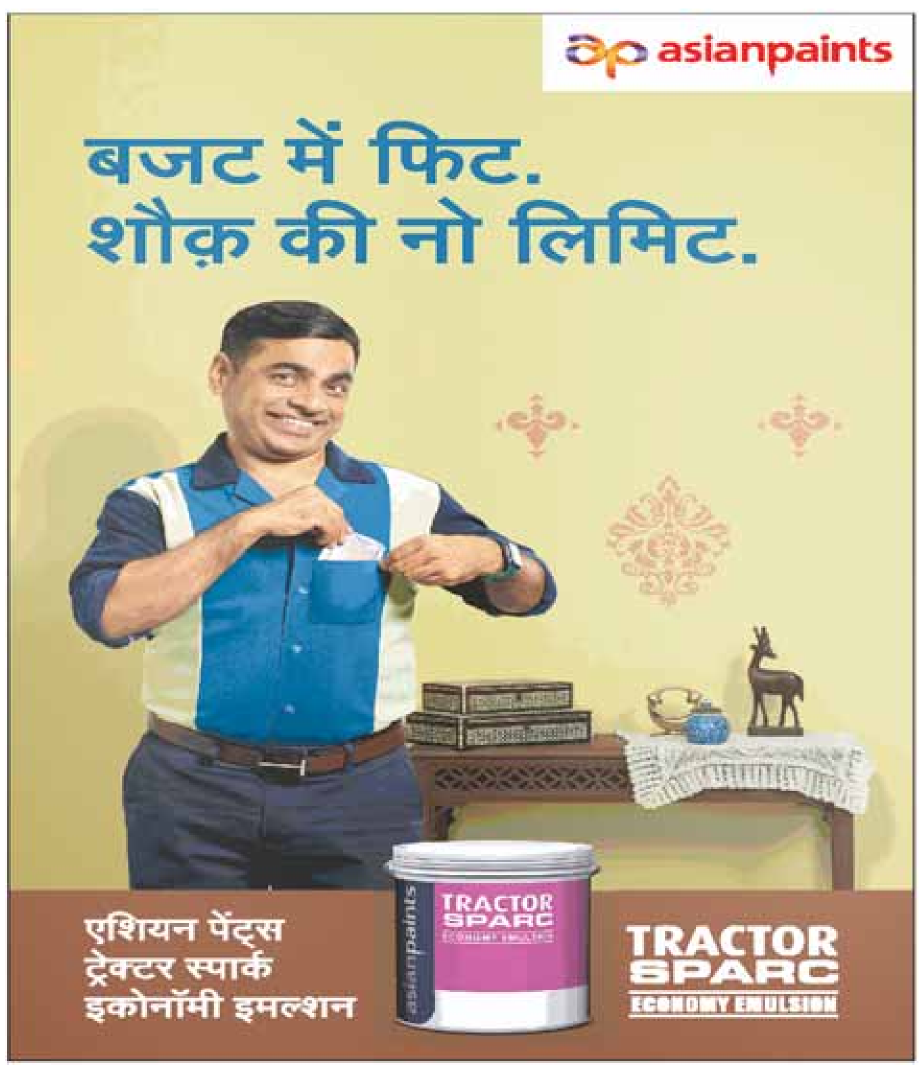

संपादकीय

यात्रा का फलितार्थ

प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के महीने भर के भीतर ही नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय रूस यात्रा से न केवल द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती मिली है, बल्कि युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में भारत का स्पष्ट रुख भी एक बार फिर प्रभावी ढंग से रेखांकित हुआ है। रूस वह देश है जो भारत का स्वाभाविक व सबसे पुराना मित्र राष्ट्र है। पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर दुनिया भर में कितनी उत्सुकता थी इसका अंदाजा विभिन्न देशों की प्रतिक्रियाओं से भी मिलता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके थे। अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी। खुद मोदी ने भी राष्ट्रपति पूतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत ने शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। इसके बावजूद यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से पीएम रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। पीएम की इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने की बात थी, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, पीएम मोदी ने पूतिन के साथ बातचीत में पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह पीएम मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पूतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है'। यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है। इसके बाद वे आस्ट्रिया के दौरे पर भी पहुंचे, यह देश आबादी के मान से दिल्ली से भी कम है लेकिन इसका महत्व कई मुद्दों पर है। कुल मिलाकर पीएम मोदी की यह यात्रा सफल कूटनीति का बेहतर उदाहरण के तौर भी देखी जाएगी। यह यात्रा ऐसे समय भी हुई है जब भारत के एक और मित्र अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की हलचल है तथा मौजूदा बाइडेने के खिलाफ उन्ही की पार्टी में माहौल है और प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक बढत भी बना रखी है। ऐसे में मोदी की यात्रा का प्रभाव आने वाले समय में और गाढा होकर उभरने की उम्मीद है।

आजकल हाथ जोड़ना ही नहीं
बड़ो से बात करते समय
मोबाइल ना चलाना
भी बहुत बड़ा सम्मान है।

आज का इतिहास

- 1940 ब्रिस्बेन में स्टोरी ब्रिज, सबसे लंबे कैंटिलीवर ब्रिज को क्वींसलैंड के गवर्नर सर लेस्ली ऑर्म विल्सन द्वारा खोला गया था।
- 1941 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी द्वारा घेरने के लिए आक्रामक सेनाओं को लॉन्च किया गया था। यह आक्रमण स्मोलेंस्क शहर के पास हुआ। इसे स्मोलेंस्क की लड़ाई के रूप में भी जाना जाता है। स्मोलेंस्क की लड़ाई के परिणामस्वरूप जर्मन जीत हुई।
- 1947 एके -47 राइफल का उत्पादन सोवियत संघ में शुरू हुआ। एके का मतलब है अवतोमत कलाश्निकोवा। इसे मिखाइल कलाश्निकोव ने डिजाइन किया था। यह एक अर्ध स्वचालित या स्वचालित प्रकाश भार मशीन गन है। इस बंदूक का उपयोग दुनिया के अधिकतम देशों के सशस्त्र बलों द्वारा किया जाता है।
- 1957 अल्थी गिब्सन पहले ऐसे काले टेनिस खिलाड़ी बने जिन्होंने विंबलडन चैंपियनशिप जीती। वह एक अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी थीं और एक पेशेवर गोल्फर भी। यह दुनिया का पहला ग्रैंड स्लैम था जिसे इतिहास में किसी भी रंगीन खिलाड़ी ने जीता था।
- 1959 वेल्लोर अस्पताल में पहली बार सफलतापूर्वक ओपन हार्ट सर्जरी हुयी।
- 1961 मोजाम्बिक के निकट पुर्तगाल के जहाज में विस्फोट से 300 लोग मरे।
- 1962 संयुक्त राज्य अमेरिका ने नागरिक उद्देश्यों के लिए न्यूक्लियरेक्सप्लोसियन के उपयोग की जांच करने के लिए एक कार्यक्रम, ऑपेरशन प्लोवशेयर के भाग के रूप में सेडान परमाणु परीक्षण किया।
- 1964 मलावी ने यूनाइटेड किंगडम से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की। मलावी को न्यासालैंड कहा जाता था।

निशाना

आ गए वो पास ?

- कृष्णेन्द्र राय

बढ़ रही है हलचल ।
आ गए वो पास ?
स्वागत गर्मजोशी से ।
बन सकते अब ख़ास ?
राजनीति में कोई ।
ना दुश्मन ना मित्र ।।
इसलिए तो कहते हैं ।
है स्थिति विचित्र ।।
शांत है तकरार ।
पनपा शायद प्यार ।।
आ गया अब वक्त ।
हो चुकता उधार ।।
कब पक जाए खिचड़ी ।
जान कौन ये पाया ।।
कुर्सी सबको प्यारी है ।
है कुर्सी की माया ।।

क्या जन आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे उतरे राहुल गांधी

ज्योति मल्होत्रा

पप्पू, वह विशेषण जो सत्ताधारी भाजपा पिछले कई बरसों से राहुल गांधी का मखौल उड़ाने के लिए बरतती आई है, क्या उसने जन-अपेक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जैसा कि अब हम जान चुके हैं, अच्छे नंबरों से। अलबत्ता, ये अंक पिछले जमाने के पैमाने- 'फस्ट-क्लास-फस्ट' या 'विशेषज्ञतापूर्ण' (डिस्टिंक्शन) या फिर 'फ्लाइंग कलर' (बहुत बढ़िया) जितने नहीं है, वरना हालिया चुनाव के बाद केंद्र में सरकार कांग्रेस की या कहिए 'इंडिया' गठबंधन की होती। हां, अंक इतने जरूर हैं कि 18 वीं लोकसभा में अंतर ला सकें बाकी देश में भी।

मौजूदा लोकसभा के आरंभिक किंतु लघु सत्र में दिया राहुल गांधी का पहला भाषण, जिसमें उन्होंने अनेकानेक भगवानों एवं संतों का संदर्भ देकर उदाहरण गिनाए शिव से लेकर गुरु नानक एवं जीसस क्राईस्ट तक जिसके जरिए उन्होंने हिंदू धर्म की 'समावेशी आत्मा' और हालिया वर्षों में भाजपा द्वारा बरते जा रहे अधिक कट्टरता वाले हिंदुत्व के बीच अंतर को उजागर करना चाहा और संसद में इसकी जरूरत वाकई लंबे समय से थी। इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा का अपने संबोधन में पैब्लो नेरूदा और पुनीत शर्मा के उदाहरणों का इस्तेमाल (तुम कौन हो बे, मुझे पूछते हो, इस देश से मेरा रिश्ता कितना गहरा है) 'डर से निजात' को जतलाने के मकसद से था, जिसके लिए उन्होंने जोर देकर कहा, यह अब देश में पैदा हुए नए जज़्बे का उद्घोष है। बड़ी बात यह कि न तो चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने और न ही नीतीश कुमार के जदयू ने -जिनकी बैसाखी पर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार टिकी हुई है- ज्यादा हो-हल्ला किया, मानो उन्हें ज़रा परवाह नहीं। लगता है नायडू और नीतीश, दोनों को, भली-भांति पता है नीतीश के गिरते स्वास्थ्य की अफवाहों के बावजूद- चोट मारने का यही सही वक्त है, जब लोहा गर्म है। अर्थात?यही समय है जब केंद्र सरकार से अपने-अपने सूबे की हालत सुधारने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता ले सकें, भले ही इसके लिए 'विशेष राज्य' का दर्जा मिले न मिले। नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव-अर्जित शक्ति का भान है। चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है, बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है। इस सिलसिले में उन्होंने गत वीरवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री के अलावा छह केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नीतिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, और हरदीप पुरी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनके सूबे के मुद्दों पर 'समयबद्ध ध्यान' देने के लिए राज्य सरकार के अफसरों के साथ एक 'प्रभावशाली समन्वय' तंत्र बनाना चाहिए इन विषयों में, प्रस्तावित नई राजधानी अमरावती के लिए रिंग रोड की मांग से लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजटीय भाषण में आंध्र प्रदेश में नई तेल रिफाइनरी लगाए जाने की घोषणा करवाना शामिल है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायडू कितना धन मांग रहे हैं। किसी का कहना है कि 1 लाख करोड़ रुपये तो कोई इससे आधा। लेकिन जो बात शीशे की तरह साफ है, वह यह है कि जो भी चाहेंगे, वह मिलेगा। जिन लोगों को हकीकत का पूरी तरह अहसास है, वे जानते हैं कि संसद में की गई गर्मागर्म बहस और आतिशी भाषण, मसलन, राहुल और महुआ के, साफ कहें, तो इनका कोई फायदा नहीं। क्योंकि मोदी 3.0 तब तक चलेगी जब तक कि नायडू पूरी तरह संतुष्ट हैं, इसलिए यह मोदी के हित में होगा कि उन्हें खुश बनाए रखें। फिर, ऐसा भी नहीं कि इन्हें देने को केंद्र सरकार के पास पैसा नहीं है पर्याप्त है। बल्कि उसके पास चतुरतम नौकरशाही भी है, जिसे भली-भांति इल्म है कि इसके लिए जुगाड़ कहां से और कैसे करना है। मोदी और नायडू, दोनों को भी यह पता है। उनसे यह भी छिपा नहीं है कि नीतीश कुमार अधिक खतरनाक हो सकते हैं, क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और खुद को राजनीतिक रूप से फंसा देख यह शख्स अपनी जरूरत की खातिर किसी भी हद तक जा सकता है- पाला बदलने समेत। जिन सबको देश की हालत को लेकर चिंता है, तो यहां खुशकिस्मती से दुनिया में भारत का स्थान बेहतर मुल्कों में एक है, क्योंकि माली हालत अच्छी है लोगो कि, वह अलग बात है कि क्या इसका अधिकांश भाग केवल दो सूबों को संवारने में लगने वाला है। इसलिए, दिल्ली का कौन-सा प्रारूप अधिक सच है, एक वह जो कहता है कि भारत बदल चुका है क्योंकि भाजपा अपने दम पर बहुमत नहीं ले पाई और उसे दबकर रहना पड़ेगा और यह भी कि सत्ताधारी दल के 'बहुसंख्यकों का तुष्टीकरण' एजेंडे की तरफ लोगों का झुकाव अब और नहीं रहा? या फिर वह प्रारूप जिसमें माना जाता है कि संसद भले ही स्तरीय भाषणों का मंच हो, लेकिन असल शक्ति हमेशा से संसद से बाहर ही रही है? लेकिन फिर, जैसा कि हमेशा से होता आया है, भारत एकदम दाएं या बाएं किनारे पर चलने की बजाय मध्यमार्ग को चुनता आया है, जिसमें 'कुछ अपनी तो कुछ उनकी चले' पर तरजीह रहती है। 'जनता जनार्दन' द्वारा भाजपा और प्रधानमंत्री के कद की छंटाई किए जाने के ठीक एक माह बाद, यह संदेश स्पष्ट एवं तीव्र बनकर उभरा है सरकार सशक्त हुए विपक्ष की आवाज़ को कुचलकर अब अपनी मनमानी पहले की भांति नहीं चला पाएगी। इसलिए, चाहे तो भाजपा या फिर लोकसभा अध्यक्ष के पेट में भी दर्द उठे, लेकिन उन्हें 'इंडिया' गठबंधन से हाल में चुनकर आए 232 सांसदों की सुननी पड़ेगी, क्योंकि गिनती में उनके और भाजपा के सांसदों में अंतर अधिक नहीं है। बानगी यह है, जगदम्बिका पाल जिनकी मशहूरी उत्तर प्रदेश का एक दिन का मुख्यमंत्री होने की है पिछले साल जब वे अध्यक्षता कर रहे थे तो महुआ मोइत्रा को सदन से निष्कासित कर दिया था, संयोगवश, इस बार फिर से उसी कुर्सी पर विराजमान थे और उसी महुआ को बोलने के लिए पूरे 28 मिनट देने पड़े। बड़ी बात यह कि इसका विपरीत भी एक सत्य है। खडूर साहिब से निर्वाचित हुए अमृतपाल सिंह और बारामूला से सांसद चुनकर आए इंजीनियर राशिद का मामला लें, जिन्हें क्रमशः राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और यूएपीए के अंतर्गत नज़रबंद किया हुआ है। अमृतपाल असम की डिब्रूगढ़ जेल में तो राशिद दिल्ली की तिहाड़ में बंद है। लेकिन दोनों को शुक्रवार को सरकारी खर्च पर संसद भवन लाया गया अमृतपाल को पहले जेल से हेलीकॉप्टर में स्थानीय हवाई अड्डे तक, फिर विमान से दिल्ली और आगे कारों के काफिले में ताकि बतौर सांसद शपथ ले सके, 'संविधान के प्रति निष्ठा की सौगंध' उठाकर– दोनों पर पृथकतावाद फैलाने का आरोप है लेकिन फिर भी उनके परिवार और कट्टर समर्थकों तक को अहसास हो चला है कि यदि वे चाहते हैं कि शेष देश उनकी कही पर कान धरे कुछ सहानुभूतिपूर्वक भी- तो इसकी एकमात्र राह है कि वे अपने भाषणों में मध्यमार्गी तौर-तरीके बरतें। यक्ष प्रश्न फिर वही, क्या 'पप्पू' पास हो गया? क्या 'पप्पू' ने जन-अपेक्षा का इम्तिहान पास कर लिया? इसके लिए अवश्य ही राहुल गांधी को दबाव बनाए रखना होगा, और यदि हाथरस प्रसंग एक पैमाना है, उत्तर तो कुछ सधा ही सही, अवश्य ही 'हां' होगा।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

संतुलन समय की जरूरत, प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति भविष्य के लिए आवश्यक

विवेक एस अग्रवाल

पिछले कुछ वर्षों में हर ओर आईवीएफ या आम भाषा में टेस्ट ट्यूब बेबी की छोटे-बड़े शहरों में हो रही वृद्धि, घटती प्रजनन दर, शहरी युवा विशेष तौर पर व्यावसायिक शिक्षा में दक्ष पीढ़ी की संतानोत्पत्ति के प्रति निरंतर बढ़ती अरुचि भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। मोटे अनुमान के अनुसार, दस वर्ष के भीतर भारत में आईवीएफ उद्योग लगभग पांच गुना वृद्धि के साथ 370 करोड़ डॉलर के बराबर हो जाएगा, जो 2020 में 80 करोड़ डॉलर से भी कम था। इन तथ्यों से यह निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि प्रजनन क्षमता में कमी आ रही है, बल्कि इसकी पृष्ठभूमि में संतानोत्पत्ति के प्रति बढ़ती अरुचि है। कॅरिअर के कारण बच्चे पैदा करना अभिजात्य वर्ग की प्राथमिकता में लगभग अंतिम छोर पर पहुंच गया है। इस प्रकार एक नए समाज की संरचना हो रही है।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उपेक्षित एवं वंचित वर्ग संबंधी गणना तथा आंकड़ों के वैज्ञानिक संग्रहण को अपना लक्ष्य बनाया है। यह चौंकाने वाला है, क्योंकि विगत 30 वर्षों से 11 जुलाई (विश्व जनसंख्या दिवस) को जनसंख्या संबंधी बड़े-बड़े आयोजनों में नए विषयों के प्रति संकल्प लिए जाते रहे हैं। इनमें वंचित वर्ग उपेक्षित ही रह जाता था। लेकिन अब संयुक्त राष्ट्र को उसका ख्याल आया है। इसके पीछे वर्तमान संदर्भ और भविष्य की जनसंख्या संबंधी कुछ अनुमान हैं। उपलब्ध अनुमानों के अनुसार, अगले पच्चीस वर्षों में दुनिया के मात्र एक तिहाई देशों (204 में से 49 देशों) में ही पर्याप्त प्रजनन दर रहेगी, जो इस शताब्दी के अंत तक मात्र तीन प्रतिशत यानी 204 में से छह राष्ट्रों तक सिमट कर रह जाएगी। अनुमान के अनुसार, आबादी में वृद्धि मुख्यतः अफ्रीकी देशों में होगी। माना जाता है कि शताब्दी के अंत तक आधी आबादी अफ्रीकी राष्ट्रों में पैदा होगी।

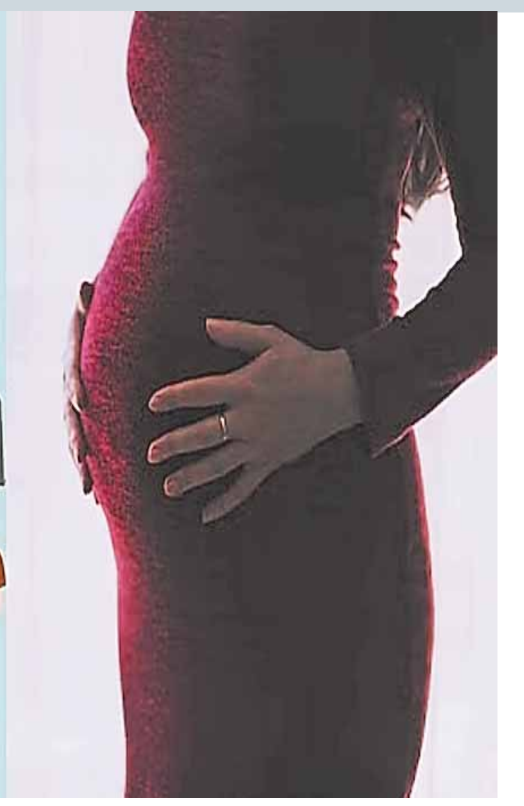

इसके साथ ही प्रजनन की प्रवृत्ति मूलतः निम्न मध्यवर्ग तक सीमित रह जाएगी, जिससे भविष्य में व्यापक वर्गभेद होने की आशंका है, क्योंकि आबादी में निम्न आय वर्ग की संतानों की बहुतायत होने तथा उच्च वर्ग में संतानोत्पत्ति से बेरुखी होने के कारण उपलब्ध संसाधनों पर धीरे-धीरे नियंत्रण बदल जाएगा, जो अभिजात्य वर्ग को मंजूर नहीं हो सकता है। विडंबना यह होगी कि सामर्थ्यवान के पास संतान नहीं और संतान वाले के पास संसाधन नहीं। आशंका यह भी है कि प्रजनन के अभाव में अनेकानेक विकसित राष्ट्रों में अप्रवासी और शरणार्थी भारी संख्या में प्रवेश करेंगे। जनसंख्या असंतुलन का एक विशिष्ट उदाहरण है दक्षिण कोरिया और नाइजीरिया की वर्तमान स्थिति। पिछले कुछ वर्षों में जहां दक्षिणी कोरिया में ऋणात्मक प्रजनन दर रही है, वहीं नाइजीरिया में प्रजनन दर लगभग प्रति महिला सात बच्चों की पाई गई है। ऐसे में संसाधनों का पुनः बंटवारा होना लाजिमी है। कोरिया की महिलाएं अपने व्यावसायिक जीवन की उन्नति और बच्चों के लालन-पालन की बढ़ती लागत के कारण संतान देर से या नहीं पैदा करती हैं। इस ऋणात्मक वृद्धि के कारण सृष्टि पर कई विषम प्रभाव भी पड़ेंगे।

सामान्य तौर पर तो आबादी की कमी से सहज एवं सुगम जीवन की प्रत्याशा रहती है, किंतु इस कमी के कारण किंचित महत्वपूर्ण व्यवसाय यथा कृषि अत्यधिक प्रभावित होंगे, जिससे खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण आदि पर असर पड़ेगा। कम आबादी से लोगों का व्यावसायिक रुझान श्रम विहीन, तकनीकी कौशल, शोध आदि की ओर होगा। आशंका है कि घटती आबादी भ-ूराजनीतिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को भी जन्म देंगी। इसी कारण 1994 में जनसंख्या वृद्धि को 2.1 बच्चे प्रति महिला तक सीमित करने का लक्ष्य तय किया गया था, ताकि संतुलन कायम हो सके। वर्तमान परिदृश्य भविष्य में असंतुलन की आशंका को दर्शाता है।

भारत में भी जनसंख्या स्थिरीकरण एक गंभीर चुनौती है। औसत आयु में वृद्धि, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं, संसाधनों की उपलब्धता के चलते अगले कुछ वर्षों में संख्यात्मक वृद्धि तो दिखेगी, किंतु वास्तविक रूप में प्रजनन दर निरंतर घटती जा रही है। आशंका है कि शताब्दी के अंत तक प्रजनन दर मात्र एक बच्चा प्रति महिला तक सीमित हो जाएगी। अतः आवश्यक है कि आबादी का गुणावगुण के आधार पर विश्लेषण हो न कि महज जनसंख्या को बोझ मानकर। संतुलन समय की आवश्यकता है, तो प्राकृतिक रूप से संतानोत्पत्ति को कायम रखना भविष्य की आवश्यकता।

– साभार:

शा. उमा. विद्यालय डोलरिया एवं रेसलपुर के स्कूल में मिला ताला, स्टाफ का कटेगा एक दिन वेतन

इटारसी। शासकीय स्कूलों की दुर्दशा के लिए शासन की नीतियों के साथ ही उसके खुद के शिक्षक भी जिम्मेदार हैं। जिन शिक्षकों पर बच्चों का भविष्य बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है वहीं शिक्षक उन बच्चों के भविष्य पर पानी फेरने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। शहर से सटे दो स्कूलों में ऐसे ही लापरवाह स्टाफ का चेहरा सामने आया है। शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के आकस्मिक निरीक्षण में

डोलरिया और रेसलपुर के दो स्कूलों में ताला बंद मिला और स्टाफ नदारद पाया गया। जानकारी के अनुसार बुधवार को संयुक्त संचालक भावना दुबे और उपसंचालक ज्योति प्रह्लादी द्वारा शहर के समीप स्थित ग्रामों के स्कूलों का निरीक्षण किया गया। जिसमें शास उमा डोलरिया विद्यालय एवं शासकीय हाई स्कूल रेसलपुर में तालाबंद पाया गया। इन दोनों स्कूलों में स्टाफ आया ही नहीं था। अधिकारियों ने स्टाफ की इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए समस्त स्टाफ का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिसरोद में सफाई के निर्देश भी दिए। शा. हाई स्कूल देशमोहनी में बच्चों को पढ़ाए जाने पर जोर देने की बात कही गई। संयुक्त संचालक भावना दुबे ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में स्थित स्कूलों का लगातार निरीक्षण किया जाएगा। सभी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचे, नियम अनुसार अध्यापन का कार्य करना सुनिश्चित करें। अगर आगामी निरीक्षण में शिक्षकों की लापरवाही की पुनरावृति होती है तो एक वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव भी वरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाएंगे।

सभी तहसील कार्यालयों में जनसुनवाई के संबंध में सूचना चस्पा करने के निर्देश

6 माह से पुरानी जनसुनवाई शिकायतें अगले 3 दिन में प्राथमिकता से निराकृत होंगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन, आदि विषयों पर विस्तार से समीक्षा की।कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि अपनी अपनी तहसील कार्यालय में जनसुनवाई के संबंध में सूचना चस्पा करवाए तथा ब्लॉक लेवल पर भी जनसुनवाई चालू करें जिससे लोगों को अनावश्यक जिला मुख्यालय आकर परेशान ना होना पड़े। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। उन्होंने 6 माह से अधिक पुरानी जनसुनवाई के लंबित प्रक्रणो के लिए सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि आगामी तीन दिवसों में ऐसी समस्त शिकायतों को निराकरण कर बंद किया जाए। अगली समय सीमा की बैठक में समीक्षा करने पर अगर ऐसी शिकायतें लंबित पाई जाती है तो संबंधित विभाग के अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन के द्वारा प्राप्त शिकायतों की भी विस्तार पूर्वक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने 50 दिवसों से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निराकरात करें। उन्होंने राजस्व विभाग की लंबित शिकायतों के संबंध में समस्त तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि समीक्षा के दौरान जानकारी प्रस्तुत करने में किसी भी प्रकार के बहाने न दिए जाएं। बार-बार हिदायत देने के बाद भी जो अधिकारी कार्य नहीं करेंगे उनके विरुद्ध कार्रवाई होगी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में खराब प्रदर्शन के लिए पी एच ई, महिला एवं बाल विकास, संस्थागत वित्त, सामाजिक न्याय स्वास्थ श्रम शिक्षा सहकारिता आदि विभागों को निर्देशित किया है कि हेल्पलाइन पोर्टल पर अपने प्रदर्शन सुधार पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में जिले की रैंकिंग पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग के लचर प्रदर्शन का असर संपूर्ण जिले की रैंकिंग पर पड़ता है प्रयास करें अपने कार्य में उत्कृष्टता लाए एवं एक्टिव मोड पर कार्य करें। कलेक्टर ने राजस्व, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास विभागों पर शिकायतो के निराकरण में देरी के लिए एवं खराब प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की।

कलेक्टर सुश्री मीना ने 500 दिन से ऊपर की शिकायतो के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। समग्र आईडी में आ रही टेक्निकल प्रॉब्लम के संबंध मैं उन्होंने सभी सीईओ एवं सीएमओ को निर्देश दिए हैं कि शिकायतो का निराकरण करे। शिकायतकर्ता से बात कर के समाधान निकले। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ को उक्त समस्या की सतत मॉनिटरिंग करने के लिए भी निर्देशित किया।

कलेक्टर ने गौशालाओं के संचालन की भी समीक्षा की। उन्होंने जिले में संचालित शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं की वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी ली तथा आगामी समय में कितनी और गौशालाएं संचालित की जाना बाकी है इसके संबंध में भी वस्तुस्थिति स्पष्ट की। उन्होंने सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ से निराश्रित पशुओं के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा। किए जा रहे कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं के अतिरिक्त प्राइवेट संस्थानों एन जी ओ अथवा अन्य जगहों को चिन्हित कर वहां पर अस्थाई व्यवस्था करें जिससे कि गोवंश सड़कों पर न जाए। उन्होंने निर्देशित किया है कि ऐसे समस्त पशुपालकों जिनके पशु सड़को पर पर जाते है उन पर पेनल्टी भी लगाए। उन्होंने सभी सी ई ओ एवं सीएमओ को निर्देशित किया है कि इस दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं तथा जिम्मेदारी के साथ सभी कार्य करें। इसके लिए सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने अपने अनुविभाग के अंतर्गत सभी सीईओ एवं सीएमओ से चर्चा कर के समाधान निकालें।कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान एवं रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के संबंध में भी सीईओ एवं सीएमओ को निर्देशित किया है कि लक्ष्य तय करके कार्य करें। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत चिन्हित जल संरचनाओं के पुनरुत्थान की कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वृक्षारोपण अभियान का ब्याज व्यापक प्रचार प्रसार करें निजी एवं स्कूली संस्थाओं को, बच्चों को, समाज सेवीयो एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से भी वृक्षारोपण करवाए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अगली समय सीमा बैठक के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान,वृक्षारोपण एवं रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के संबंध में फोटो एवं आंकड़ों के साथ कार्य प्रगति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट असवान राम चिरामन को उक्त कार्य की सतत रूप से मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

किसान संघ ने अर्धनग्न होकर, काली पट्टी बांध किया प्रदर्शन

सिवनी मालवा/ नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मूंग खरीदी को लेकर भारतीय किसान संघ का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को तीसरे दिवस भी जारी रहा। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी पूरे जिले से आए किसान धरने पर बैठे और उन्होंने सरकार की किसान विरोधी नीतियों के विरोध में अर्धनग्न होकर एवं सिर पर काली पट्टी बांधकर सरकार के विरोध में जम कर नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।किसानों ने नारे लगाते हुए कहा कि सांसद बिधायक बनकर बन गये शेर 16 से 8 किवंटल मूंग खरीदने की घोषणा करके किसानों को कर दिया ढेर।

16 से 8 क्विंटल मूंग खरीदने की घोषणा करके किसानों को कर दिया ढेर

कितनी जेल तुम्हारी देखी है ओर देखेंगे

भारतीय किसान संघ ने किसानों की मांगों को दोहराते हुए शासन को चेतावनी दी है कि वह किसानों के धैर्य की परीक्षा ना ले। किसानों का धैर्य समाप्त होने के पश्चात उसे उग्र आंदोलन का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि अपने आप को किसान हितैषी कहने वाली सरकार जल्द से जल्द भारतीय किसान संघ द्वारा किसानों के हित में मांगों पर सकारात्मक निर्णय ले । किसानों का कहना है कि धरना निरंतर जारी रहेगा। आज भोपाल से प्रांतीय संगठन मंत्री मनीष शर्मा किसानों के धरना स्थल पर आकर धरना में सहभागिता करेंगे। भारती किसान संघ की डोलरिया इकाई के साथ ही प्रदेश पदाधिकारी और संभाग एवं जिले के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान प्रदेश सदस्य सूरज बली जाट मनमोहन व्यास जिला उपाध्यक्ष लखन चौधरी माखन नगर अध्यक्ष राजेश दीवान तहसील मंत्री गोपाल मीणा के साथ ही दामोदर पटेल बृजेश राजपूत जितेंद्र सिंह तोमर सरदार यादव गोपाल पटेल निलेश दीक्षित संजय पटेल राजेंद्र चौरे लक्ष्मण पार्ते लक्ष्मण रतिराम यदुवंशी गोपाल चौरे भागीरथ मीणा राजेश मीणा शुभम मीणा सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वृक्ष प्रकृति का महत्वपूर्ण अंग, इनको सहेजना हमारी नैतिक जिम्मेदारी: कलेक्टर

नर्मदापुरम। बुधवार को सरस्वती शिशु मंदिर मालाखेड़ी रोड, नर्मदापुरम एवं रेड क्रॉस सोसाइटी नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वाधान में हर्बल पार्क में कलेक्टर सोनिया मीना की उपस्थिति में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने स्कूली बच्चों के साथ अर्जुन, बरगद आदि वृक्षों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग हैं। इनको सहेजने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अन्य समाज सेवी संस्थाओं से भी इस अभियान के तहत वृक्षारोपण करने के लिए आगे आने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि वृक्षारोपण करने के बाद उन वृक्षों की देखभाल करना भी ज़रूरी है। उन्होंने वहां उपस्थित सभी समाज सेवी नागरिकों, एवं बच्चो से कहा की वृक्षारोपण के अतिरिक्त सभी रैन वाटर हार्वेस्टिंग पर भी विशेष ध्यान दे और आम लोगो को इसके प्रति जागरूक करें। वृक्षारोपण के बाद सभी बच्चों के साथ कलेक्टर ने सीड बॉल भी विभिन्न स्थानों में रोपित की।वृक्षारोपण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट असवन राम चिरामन, रेड क्रॉस सोसाइटी के चंद्रगोपाल मलैया, डॉ अतुल सेठा, मुकेश श्रीवास्तव, केशव साहू आदि समाजसेवी नागरिक उपस्थित थे।

मूंग उपार्जन केंद्रों में प्रभारी अधिकारी व नोडल अधिकारी नियुक्त

सिवनी मालवा। जिला कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना ने बताया कि म.प्र.शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उडद का वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) में समस्त पात्र कृषकों से एफ.ए.क्यू. मापदंड अनुरूप उपार्जन कार्य हेतु संयुक्त भागीदारी गोदामों को जिला स्तरीय उपार्जन समिति से अनुमोदन तथा खंड स्तरीय उपार्जन समिति से भौतिक सत्यापन उपरांत उपार्जन केन्द्र निर्धारित किए गए है। उन्होने बताया कि उपार्जन संस्था का यह दायित्व होगा कि उपार्जन के पूर्व जांच कर पंचनामा तैयार किया जाए कि उपार्जन हेतु चयनित गोदाम में क्या-क्या भंडारित है एवं उसमें पूर्व से खुली रखी गई मूंग स्कंध का भण्डारण न हो। कलेक्टर सुश्री मीना ने यह सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक उपार्जन केंद्र में निम्नानुसार तहसीलवार प्रभारी अधिकारी व नोडल अधिकारी नियुक्त कर निर्देशित किया है कि उपार्जन केंद्र की नियमित रूप में मॉनीटरिंग कर अवगत कराएंगे। ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन नीति मे जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए निर्धारित तिथि 24 जून से 31 जुलाई 2024 तक उपार्जन कार्य सुनिश्चित करेंगे।

सिवनी मालवा के अंतर्गत तहसील सिवनी मालवा के लिए जय मां विंध्यवासिनी वेयर हाउस के लिए नेहा यदुवंशी, श्री माधव वेयरहाउस के लिए राहुल चौहान, साइन कृपा वेयरहाउस के लिए भूपेंद्र राजपूत, मां नर्मदा वेयरहाउस के लिए नेहा यदुवंशी, मां नर्मदा वेयरहाउस के लिए एचएस कुमरे, मां शारदा वेयरहाउस के लिए एचएस कुमरे, मनोरमा वेयरहाउस के लिए शालिनी मिश्रा, श्री वीर तेजाजी के लिए नेहा यदुवंशी, पूर्वा एग्री मार्केटिंग के लिए शालिनी मिश्रा, श्री सांवरिया सेठ वेयरहाउस के लिए नेहा यदुवंशी, अन्नपूर्णा वेयरहाउस के लिए राजेश कुमार दोहरे, नर्मदा एग्रो पार्क वेयरहाउस के लिए एनएस जाटव, एमपीडब?लूएलसी वेयर हाउस बानापुरा के लिए एनएस जाटव, बाबा रामदेव वेयरहाउस के लिए भूपेंद्र राजपूत, धनलक्ष्मी वेयर हाउस के लिए राहुल चौहान, श्री दादा जी वेयर हाउस के लिए राहुल चौहान, श्री राम वेयर हाउस के लिए एचएस कुमरे, मंडलोई वेयरहाउस के लिए एचएस कुमरे, अग्रवाल लॉजिस्टिक वेयर हाउस के लिए एचएस कुमरे, जय दुर्गे एग्रो पार्क वेयर हाउस के लिए नेहा यदुवंशी, एमपीडब्लूएलसी हथनापुर वेयर हाउस के लिए भूपेंद्र राजपूत, सतगुरु कृपा वेयरहाउस के लिए शिवा इंटरप्राइजेज वेयर हाउस के लिए शालिनी मिश्रा को नोडल अधिकारी तथा उक्त केन्द्रों के लिए सहायक संचालक कृषि को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

अपर आयुक्त ने आयुक्त कार्यालय परिसर में किया पौधारोपण

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन के आह्वान पर एक पेड मां के नाम अभियान के तहत आयुक?त कार्यालय परिसर में बुधवार को नर्मदापुरम संभाग के अपर आयुक्त आर पी सिंह जादौन ने बरगद का पौधरोपण किया। पौधारोपण करने के बाद वायुदूत ऐप मोबाईल फोन में अपने लगाएं पौधों के साथ फोटो को अपलोड भी किया।

मेट्रो एंकर

वन चौपाल लगाकर वन ग्रामों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा

वन भूमि पर संगठित अवैध कटाई, अतिक्रमण, उत्खनन परिवहन को संयुक्त प्रयासों से विफल करें :संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम संभागायुक्त के जी तिवारी ने बुधवार को वन विभाग की संभागीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में वन विभाग, पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह संयुक्त रूप से वन भूमि पर हो रहे संगठित अवैध कटाई, वन भूमि पर हो रहे अतिक्रमण, वन भूमि पर हो रहे अवैध उत्खनन, परिवहन को संयुक्त कार्रवाई करते हुए विफल करें। संभागायुक्त ने कहा कि अवैध कटाई, परिवहन, उत्खनन एवं अतिक्रमण करने वाले अपराधियों के विरुद्ध वन विभाग पुलिस के सहयोग से कठोर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। संभागीय टास्क फोर्स की बैठक में पुलिस महानिरीक्षक इरशाद वली, वन संरक्षक शुक्ला, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरु करण सिंह, हरदा एवं बैतूल के पुलिस अधीक्षक एवं वन मंडल अधिकारी मौजूद थे।संभागीय टास्क फोर्स की बैठक में संभागायुक्त श्री तिवारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह वन ग्रामों में वन चौपाल लगाए। चौपाल में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी शामिल रहे। गांव वालों को समझाइश दे, उनका विश्वास अर्जित करें। इससे वनो में होने वाली कई व्यवस्थाएं दुरुस्त हो जाएंगी।

वन मंडल अधिकारियों ने बताया कि वनों में दो तरह की चोरी हो रही है एक स्थानीय स्तर पर हो रही है जो ग्रामीण करते हैं, हालांकि इससे वनों की व्यवस्था विशेष खराब नहीं होती लेकिन एक व्यापारिक चोरी है जिससे वन का पूरा तंत्र ही, उसका पूरा स्वरूप बिगड़ रहा है। संभागायुक्त ने उक्त दोनों प्रकार की चोरियों को प्राथमिकता से रोकने के निर्देश दिए।

श्री तिवारी ने निर्देश दिए की पुलिस, राजस्व एवं वन विभाग के संयुक्त प्रयास से वन भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को रोका जाए। उन्होंने कहा कि वन ग्राम में आने वाली शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए।

संभागायुक्त ने बैठक में कहां की वन भूमि में जैसे ही अतिक्रमण होता है तो वैसे ही अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। देर करने पर अतिक्रमण स्थाई रूप ले लेता है। बताया गया कि संयुक्त कार्रवाई करने से वन अपराध को रोकने में मदद मिलेगी। बताया गया कि सोहागपुर के ग्राम खाखरापूरा एवं डागपूरा में बाहर से आए लोग बस गए हैं उन लोगों ने मकान भी बना लिया है। उनके द्वारा सोहागपुर परिक्षेत्र कक्ष क्रमांक 193 में अतिक्रमण के प्रयास किए जाते रहे हैं। वर्ष 2018-19 में बांस का वृक्षारोपण कर अतिक्रमण को रोका गया था लेकिन लोगों ने बांस के पौधों को उखाड़ कर फिर से अतिक्रमण कर लिया है। कक्ष क्रमांक 193 के वन भूमि से अतिक्रमण बेदखल कर विस्थापितों को प्रदाय करने हेतु चर्चा की गई।

बताया गया कि विद्युत एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से गश्त कर विद्युत लाइनों के ट्रैपिग को रोका जा रहा है। वन मंडल अधिकारियों ने बताया कि वन्य प्राणियों को विद्युत करंट से बचाया भी जा रहा है। बताया गया कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में 44 ग्राम है जिनमें 40 राजस्व एवं चार वन ग्राम है। विद्युत सप्लाई खुले तारों से होती है। अपराधियों द्वारा इन खुले तारों में विद्युत तार फसाकर अवैध फंदा लगाया जाता है। जिससे वन प्राणियों के मृत्यु के प्रकरण प्रकाश में आए हैं। इस क्षेत्र में इंसुलेटेड तार की व्यवस्था नहीं हो पाई है। संभागायुक्त ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह इंसुलेटेड विद्युत तार की व्यवस्था सुनिश्चित करें, और विद्युत विभाग के कर्मचारी वन विभाग के कर्मचारियों के साथ संयुक्त गश्ती कर ट्रैपिग स्थल का चिन्हांकन करें। सभी अधिकारी आपस में अपने मोबाइल नंबर साझा करें। संभागायुक्त ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह वन क्षेत्र से होकर गुजरने वाली विद्युत लाइनों में ट्रिपिंग की जानकारी तत्काल दें। जिससे वन प्राणियों की जान की रक्षा हो सके।

पीएम आवास योजना से लाभान्वित हितग्राहियों ने आवास परिसर में किया पौधारोपण

विदिशा । अंकुर अभियान एवं एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत विदिशा जिले में वृहद स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम में आज विदिशा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में निवासरत पीएम आवास योजना से लाभांवित हितग्राहियों के आवास परिसरों में पौधारोपण किया गया है। हितग्राहियों ने स्वयं अपने आवासों के परिसर में पौधे लगाए हैं और उन्हें वट वृक्ष बन जाने तक संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया है। हितग्राहियों पौधारोपण के प्रति जन जागरूकता के लिए दिए गए संदेश में कहा है कि यह जो पौधे आज हम रोपेंगे, उन्हें संरक्षित रखेंगे तो कुछ वर्षों में ही यह पौधे हमें ठंडी हवा, छांव व फल-फूल प्रदान करेंगे इससे पर्यावरण भी बेहतर बनेगा और हमें शुद्ध वायु भी प्राप्त होगी इसलिए सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाना चाहिए।

विदिशा जिले की जनपद पंचायतों अंतर्गत आने वाले ग्रामों में आवास योजना के हितग्राहियों के आवास परिसरों में पौधारोपण हुआ है उनमें ग्राम पंचायत चिड़ोरिया में हितग्राही के आवास परिसर में कटहल, पुरेनिया में नीम का पौधा, मढ़ियाधामनोद में आम का पौधा, लखंगार और रकोली में आम का पौधा, सीहोद में इमली और गुलमोहर का पौधा, ग्राम वन में आम और जामुन का पौधा, ग्राम पौआनाला में नीम का पौधा तथा ग्राम मढ़िपुर में अमरूद सहित अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे गए हैं। इसके साथ ही जिले के अन्य ग्रामों में भी पीएम आवास योजना से लाभान्वित हितग्राहियों के आवास के परिसरों में पौधे लगाए गए हैं।

सुबह से शाम तक उमस ने किया बेहाल शाम को बारिश से मिली राहत

सिरोंज। अच्छी बारिश नहीं होने के कारण गर्मी से निजात मिलती हुई नहीं दिख रही है। बुधवार को भी सुबह से ही गर्मी और उमस के कारण लोगों की हालत खराब हो रही थी शाम के समय हवाओं के साथ आधे घंटे तक बारिश होने से कुछ समय के लिए गर्मी से मुक्ति मिली मौसम भी पानी गिरने से ठंडा हो गया जिस तरह की बारिश होना चाहिए उस तरह की बारिश नगर में नहीं हो रही इस वजह से गर्मी का नाम नहीं ले रही है पानी के लिए भी अभी परेशानी हो रही है। हल्की-फुल्की बारिश ही अभी हो रही है इस वजह से किसान भी पानी की कमी का सामना करें ।जिन किसानों में धान लगाई है उनको पानी की ज्यादा आवश्यकता है ।तेज बारिश होने पर इनकी समस्या दूर होगी । वहीं जब तक झमाझम बारिश का दौर शुरू नहीं होगा तब तक किसानों के खेत भी नहीं भरेंगे और गर्मी से भी राहत नहीं मिल पाएगी। बुधवार को ही बारिश से कीचड़ जरूर सड़कों पर नजर आ रही थी।

अधिकारियों की लापरवाही से मिलावट का गोरख धंधा

फूड प्वाइजन का मामले के बाद, खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी जागे

दो किराना दुकान 1 दूध डेरी से लिया सैंपल, कई दुकानों मैं लगे ताले

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

समय रहते खाद औषधि विभाग के जिम्मेदारी के जांच के लिए सैंपल की कार्रवाई नहीं की जाती इस वजह से मिलावट खोरी का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है । दूसरी ओर अच्छे लोगों को भी परेशान किया जाता है या फिर किसी तरह का मामला सामने आने के बाद जिम्मेदार नींद में से जागते हैं । 2 दिन पहले एक ही परिवार के चार सदस्य पुरानी बस स्टैंड से शाह किराना स्टोर से खरीद कर ले गए तेल खाने के बाद बीमार हो गए थे। इसके बाद प्रशासन के द्वारा कार्रवाई करते हुए एसडीएम हर्षल चौधरी, तहसीलदार संजय चौरसिया ने एक दिन पहले पुरानी बस स्टैंड पर पहुंचकर दुकान को सील कर दिया था बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी किरण श्रीवास्तव, नायव विकास अग्रवाल के साथ टीम जांच करने के लिए पहुंची तो सबसे पहले पुरानी बस स्टैंड से शाह किराना से तेल का सैंपल जांच के लिए लिया गया इसके बाद कस्टम पथ से सुंदरम किराना स्टोर से भी तेल का सैंपल जांच के लिए लिया गया इसके अलावा कठली बाजार से गणेश दूध डेरी से भी दूध, दही का सैंपल टीम के द्वारा लिया गया। काफी देर तक टीम जांच पड़ताल के बाद पंचनामा और सैंपलिंग की कार्रवाई करती रही। जांच की भनक लगते ही कई किरने की दुकानें धड़ाधड़ करके बंद हो गई थी मिष्ठान की दुकानों पर भी तले लग गए थे ।

दूध डेयरी भी बंद होती हुई नजर आ रही थी कई व्यापारियों के द्वारा ईमानदारी से काम किया जाता है पर मिलावटखोरों के कारण ऐसे व्यापारियों को भी परेशान होना पड़ता है टीम जांच के नाम पर इन्हें भी परेशान करती है ऐसा दवा कई व्यापारी करते हैं । इस वजह से अपनी दुकान है बंद कर लेते हैं। शहर में बड़े स्तर पर कुछ व्यापारियों के द्वारा मिलावट युक्त सामान बेचने का काम किया जाता है । वही दो दिन पहले एक ही परिवार के चार लोग जो तेल का केन लेकर गए थे उसको खाने के बाद बीमार होते वहां तेल इंदौर की कंपनी का बताया जा रहा है। इसके बाद एसडीएम से तेल खाने वाले परिवार के सदस्यों ने शिकायत की थी उसके बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक दिन पहले जहां पुराना बस स्टैंड अली शाह दुकान और गोदाम को सील कर दिया था । बुधवार को जिला खाद्य औषधि विभाग की टीम ने अपनी कार्रवाई करते हुए किराने की दुकानों और गोदाम से तेल का सैंपल जांच के लिए लिया टीम की जांच और सैंपलिंग की कार्रवाई लगभग 2 घंटे चलती रही इस दौरान नायव तहसीलदार में मौजूद थे । उसके बाद काठली बाजार से दूध डेरी से दूध दही का सैंपल भी लिया गया वहीं अन्य दुकानें है इनकी कार्रवाई की जानकारी लगते ही बंद हो गई थी जिसको देखते ऐसा लग रहा था बाजार में छुट्टी हो पर ऐसा नहीं था केवल कार्रवाई चल रही थी । खाद्य औषधि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किराना दुकानों से जांच के लिए गए सैंपलों को लैब में भेजा जाएगा वहां से रिपोर्ट होने रिपोर्ट आने के बाद ही खाद औषधि विभाग आगे कार्रवाई कर पाएगा। वहीं इस बात की भी चर्चा हो रही है कि तेल को खाने के बाद बीमार हुए परिवार में जो आरोप लगा है उसमें कितनी सच्चाई है क्योंकि तेल के साथ जो खाद्य सामग्री खाई है वहां भी तो खराब हो सकती है उस तरफ भी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए दूसरी और यदि मिलावट युक्त तेल सप्लाई किया जा रहा है। कंपनी पर बड़ी कार्रवाई होनी चाहिए नगर में अधिकांश दुकानों पर मिलावटी सामान की बिक्री हो रही है समय-समय पर इनकी जांच सही तरीके से होनी चाहिए पर ऐसा नहीं होता इस वजह से इस कारोबार पर रोक नहीं रोक पा रही है । जब कोई मामला सामने आता है या फिर त्यौहार होता है तभी खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैंपल लेने के लिए आते हैं। नहीं तो बाकी समय ध्यान नहीं देते हैं सूत्र बताते हैं। क्योंकि हर महीने मिलावट खोरी का धंधा करने वालों के द्वारा सेवा की जाती इस वजह से जांच करने के नाम पर थाना पूर्ति होती रहती है।

इनका कहना है

पुरानी बस स्टैंड से शाह किरण स्टोर और सुंदरम किराना स्टोर से तेल के सैंपल जांच के लिए गए हैं, कठाली बाजार से गणेश दूध डेरी से भी दूध दही का सैंपल लिया है इनको लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा, रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्रवाई करेंगे ।

***किरण श्रीवास्तव** खाद सुरक्षा अधिकारी विदिशा*

आए दिन घंटों बंद रहती बिजली, मेंटनेंस के नाम पर लाखों खर्च, समस्या जस की तस

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बारिश से पहले हर वर्ष मेंटीनेंस का कार्य किया जाता है जिस पर लाखो रूपये खर्च किये जाते है कि उपभोक्ताओं को बारिष के दिनों मे लाइट की समस्या न हो । लेकिन जों लाखो रूपये मेंटीनेंस पर खर्च किये जाते है उसकी पौल थोडे से हवा पानी में देखने को आए दिन मिल रही है । गौरतलब हो कि नगर में गत रात्रि कई घंटो बिजली गुल रही उपभोक्ताओं नें बिजली विभाग संपर्क किया तों संपर्क नही हो सका कि बिजली क्यों बंद है । बिजली विभाग का लेडलाइन नंबर जब बिजली चली जाए तों कभी संपर्क ही नही होता जिससे नगर के लोग काफी परेशान रहते है लेकिन जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी नही समझते है और उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का हल भी नही करते है । जबकि जों समस्या उपभोक्ताओं को आती है उसे बिजली विभाग द्वारा हल किया जाना चाहिए और कर्मचारियों को

निर्देशित किया जाना चाहिए कि समस्या का समाधान करे । जिससे बिजली विभाग के मेंटीनेंस के नाम पर खर्च किये लाखों रूपये पर कई सवाल खडे हो रहे है । गौरतलब हो कि नगर मे बिजली की केबलो मे आग लग गई बोक्सो मे आग लग गई डीपी जल गई यह तों आप सुन ही रहे हो । बिजली विभाग मगर इस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रहा है जिससे अभी से बिजली विभाग को लेकर नगर के लोगो मे काफी आक्रोष है और लोगो का तों यहा तक कहना है कि अभी से यह हाल है तों अगस्त की बारिश मे क्या होगा । नागरिको ने बिजली विभाग के जिम्मेदारों से मांग की है कि नगर में जों केबल लटक रही है उन्हे दुरूस्त कराया जाए खंबो मे लगे जों जले हुए बॉक्स है उन्हे बदलवाया जाए डीपीयों का रखराव सही कराया जाए जिससे राहत मिल सके । गत वर्षो पहले नगर में एमपी आरडीसी योजना के तहत एटूजेड कंपनी द्वारा विद्युत अधोसंरचना सुधार के लिए लगाई गई इंसुलेटेड केबल और डिस्ट्रीब्यूशन बाक्स और केबल जलकर चाहे जब गिर जाती है जिससे नगर में घंटो लाइट बंद रहती है एटूजेड कंपनी द्वारा इतना घटिया कार्य किया गया है कि नगर के लोग आज भी भुगत रहे है और आये दिन लाइट से परेशान रहते है। उपभोक्ताओं को सुविधा देने की बजाऐं और उनकी दुविधा बढ़ रही है लेकिन इस और जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है ।

मंडी का पानी निकलवाने लगवाया पंप, सब्जी मंडी की भी सफाई कराई प्रारंभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कृषि उपज मंडी के पुराने परिसर में पानी भर जाने से किसानों के साथ व्यापारियों को भी परेशानी हो रही थी जरा सी बारिश में यहां के मुख्य गेट पर घुटनों घुटनों से ऊपर पानी भर जाता है ,इस वजह से व्यापारियों का पहले काफी नुकसान भी हो चुका है। पिछले दिनों हुई वही बारिश में पानी भर जाने से किसान और व्यापारी परेशान हुए थे। इसके बाद एसडीएम हर्षल चौधरी ने मंडी का जायजा लेकर प्राथमिक रूप पर बरसात का पानी निकलवाने के लिए पंप लगाकर लाइन से पानी नाले में फिकवाने की व्यवस्था करवाने निर्देश प्रभारी मंडी सचिव रमेश पंथी को दिए थे । एसडीएम ने बुधवार को सब्जी मंडी पहुंच कर यहां की व्यवस्था दी इसके बाद तत्काल उन्होंने साफ सफाई का काम प्रारंभ करवा दिया गया है यहां पर कीचड़ के कारण व्यापारियों को परेशानी हो रही थी सब्जी विक्रेताओं ने एसडीएम से शिकायत भी की थी । एसडीएम हर्षल चौधरी ने सब्जी मंडी पहुंचे उन्होंने जहां-जहां पर गंदगी हो रही थी वहां पर चूरी डालकर मरम्मत करने के निर्देश नगर पालिका को दिए और मौके पर काम भी प्रारंभ किया दूसरी ओर मंडी से निकलने वाले कचरे को पास में ही एक गड्ढे में डालने की व्यवस्था कराई गई जिसको नगर पालिका समय-समय पर यहां से ले जाने का काम करेगी पूरी सब्जी इससे गंदगी नहीं होगी।

मेट्रो एंकर

शासकीय स्कूल परिसर में भी पौधारोपण किया गया

एक पौधा मां के नाम अभियान तहत जिपं सीईओ ने पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता निभाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत विदिशा जिले में वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने स्वयं ग्राम डंगरवाड़ा पहुंचकर पीएम जनमन आवास योजना से लाभांवित हितग्राहियों के आवास परिसर में पहुंचकर पौधरोपण कार्यक्रम में सहभागिता निभाई है।

जिला पंचायत सीईओ डॉ. भरसट तथा पीएम जनमन आवास योजना से लाभान्वित हितग्राहियों सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारियों ने यहां आम सहित अन्य प्रजातियों के पौधे लगाकर सभी से अधिक से अधिक पौधरोपण कर उन्हें संरक्षित करने का आवाहन किया है। साथ ही आज हुए पौधारोपण कार्यक्रम में हितग्राहियों से यह भी अपील की गई कि वह यहां रोपे गए पौधों को नियमित रूप से पानी दें और उन्हें संरक्षित करें। यहां शासकीय स्कूल परिसर में भी पौधारोपण किया गया है। इसके अलावा जनपद पंचायत नटेरन के सीएचसी सेंटर परियोजना क्रमांक एक वाटरशेड समिति हड़ा में भी पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में भी जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने सहभागिता निभाते हुए पौधारोपण किया है। साथ ही साथ कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण की फोटो वायु दूत ऐप पर अपलोड भी की गई हैं।

एक पौधा मां के नाम अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जनअभियान परिषद की जिला इकाई विदिशा की टीम सदस्यों ने आज ग्राम घोसूआ और करौंदा खुर्द में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान एक पौधा मां के नाम के तहत पौधरोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए जिनमें नींबू, जामफल, आंवला, नीम, पीपल, आम प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। पौधारोपण कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के सदस्यों के साथ-साथ ग्रामीण जनों ने भी सहभागिता निभाई है।

इसके अलावा जन अभियान परिषद द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम के संबंध में अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाए जाकर उन्हें संरक्षित करने की दिशा में एक बैठक का आयोजन भी किया गया।

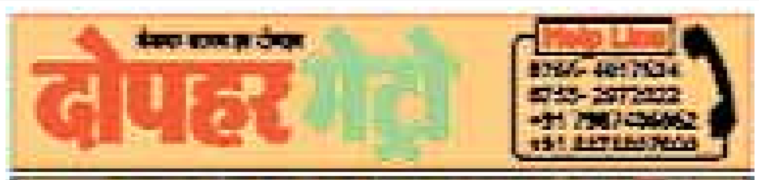

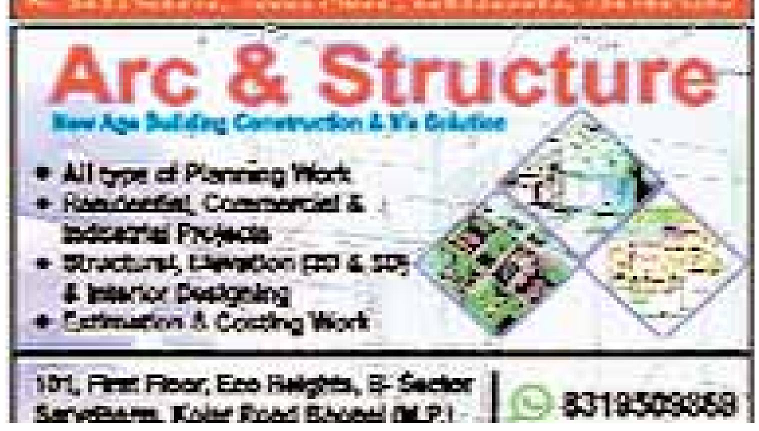

पहली बार विदेश में हुए किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में, नीदरलैंड को हराया

इंग्लैंड लगातार दूसरी बार यूरो कप के फाइनल में पहुंचा

नईदिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड ने जर्मनी के डॉर्टमुंड के स्टेडियम में यूरो कप के खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराया और लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा। वहीं, इंग्लैंड पहली बार देश के बाहर हुए किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। इससे पहले 1966 में इंग्लैंड में ही हुए वर्ल्ड कप और 2020 में इंग्लैंड में ही खेले गए यूरो कप के फाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड रविवार को फाइनल में स्पेन के साथ भिड़ेगा। इंग्लैंड के पास 58 साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट का खिताब जीतने का मौका है। इससे पहले इंग्लैंड ने 1966 में वर्ल्ड कप जीता था। हालांकि, 2020 में यूरो कप के फाइनल में पहुंचा, पर वह खिताब से वंचित रहा।

ओली वॉटकिंस के आखिरी समय में किए गए गोल से जीता इंग्लैंड

मैच समाप्त होने से पहले दोनों टीमें 1-1 गोल कर बराबरी पर थीं, ऐसा लग रहा था कि मैच का फैसला पेनाल्टी शूट आउट से होगा। पर इंग्लैंड के ओली वॉटकिंस ने मैच में जोड़े गए अतिरिक्त मिनट में गोल कर इंग्लैंड को 2-1 से आगे कर फाइनल में पहुंचा दिया। हाफ टाइम तक दोनों टीमों की ओर से 1-1 गोल किए गए। मैच के 10वें मिनट में ही नीदरलैंड के जेवी सिमंस ने इंग्लिश बॉक्स के बाहर से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा कर डच टीम को 1-0 से आगे कर दिया। नीदरलैंड टीम और उसके फैंस की यह खुशी ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रही और 8 मिनट बाद ही यानी 18वें मिनट में हैरी केन ने गोल कर इंग्लैंड टीम और फैंस के गम को खुशी में तब्दील कर दिया। इस गोल के बाद इंग्लैंड की टीम में अलग एनर्जी का संचार हो गया और हाफ टाइम का खेल समाप्त होने तक उन्होंने गोल करने के कई मौके बनाए।

नए कलेवर वाले टीम इंडिया के 'गंभीर कोच'

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

आखिरकार बीसीसीआई ने टीम इंडिया के नए हेड कोच की घोषणा कर दी है। राहुल द्रविड़ की जगह नये कोच के रूप में गौतम गंभीर को चुन लिया है। मंगलवार को बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस पद के लिए आधिकारिक तौर पर गंभीर के नाम का ऐलान कर दिया है। गौरतलब है टी20 वर्ल्ड कप के बाद ही राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था,जिसके बाद बीसीसीआई को टीम इंडिया के लिए हेड कोच की तलाश थी। वैसे सच तो यही है कि शुरू से ही इस रेस में 2007 और 2011 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया का हिस्सा रहे गौतम गंभीर सबसे आगे नजर आ रहे थे। बीसीसीआई के सचिव ने एक बार फिर टीम इंडिया के कप्तानी ठप्पे की ही तरह सोशल मीडिया पर पोस्ट कर हेड कोच की जानकारी दी। भले ही राष्ट्रीय क्रिकेट टीम से जुड़ी अहम जानकारियों की घोषणा पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके दी जाती थीं,लेकिन अब बीसीसीआई ने इसके लिए सोशल मीडिया के मार्फत जानकारी साझा करने का नया फार्मूला लागू कर दिया है। इसकी खास वजह यह हो सकती है,कि बीसीसीआई अब अपने किसी भी अहम फैसले को लेकर किसी भी तरह के सवाल-जवाब से किनारा करना चाहता है। मतलब एकदम साफ है कि बीसीसीआई अपने किसी भी फैसले की पीछे की रणनीति को साझा नहीं करना चाहती है।अब अगर हम बात हेड कोच की चयन प्रक्रिया पर नजर डालें,तो फिर इसके लिए आधिकारिक तौर पर आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। सही मायनों में प्राप्त आवेदनों में से मापदंडों की जांच परख होने के बाद शॉर्ट लिस्ट आवेदकों का सीएसी(क्रिकेट सलाहकार समिति) इंटरव्यू लेती है।तमाम आवेदकों से सवाल जवाब के सिलसिले के बाद यही समिति भारी भरकम वेतन पाने वाले टीम इंडिया के हेड कोच का चुनाव करती है। वैसे मेरा सवाल यह कतई नहीं है कि गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। सच तो यह है कि गौतम गंभीर की काबलियत व बतौर हेड कोच उनकी नियुक्ति पर कोई सवालिया निशान नहीं है, लेकिन जिस सीएसी(क्रिकेट सलाहकार समिति) ने गौतम गंभीर का चयन किया है क्या वह वाकई गंभीर की काबलियत जांचने परखने पर कोई सवाल जवाब कर सकी होगी।

अगर हम इस कमेटी के सदस्यों पर गौर करें तो इसमें सुलक्षणा नाइक,अशोक मल्होत्रा ओर जतिन परांजपे शामिल हैं। ये सभी गौतम गंभीर के क्रिकटीय कद के सामने एकदम बौने ही हैं। एक समय मे जब क्रिकेट की बेहतर के लिए बीसीसीआई ने इस समिति का गठन किया था तब सचिन तेंदुलकर,गांगुली और लक्ष्मण जैसे दिग्गज को समिति का जिम्मा सौंपा गया था। जगमोहन डालमिया के कार्यकाल में इस समिति का मुख्य काम हेड कोच से लेकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के चयन व भारतीय क्रिकेट की बेहतरी से जुड़े सभी बड़े फैसलों में अपनी राय देना शामिल था। सच तो यह है कि इन दिग्गजों के द्वारा लिए गए किसी भी फैसले के रिजल्ट कुछ भी रहे हों लेकिन इनके नजरिये, काबलियत और प्रक्रिया पर कोई भी प्रश्न चिन्ह नहीं लग सकता था।फिर चाहे वह चयनकर्ताओं के चयन का हो या फिर चुनाव हेड कोच का रहा हो।यह बात समझ से परे है अब बीसीसीआई की किसी भी अहम समिति में इतने बड़े कद के दिग्गजों को शामिल क्यों नहीं करती है। आखिर क्या वजह है जिस कारण तमाम पूर्व दिग्गजों ने समितियों से किनारा कर लिया है। दरअसल जिस अंदाज में आजकल भारतीय ि केट से जुड़े हुए किसी भी अहम फैसले की जानकारी बीसीसीआई साझा करती है उसको देखकर ऐसा लगता है कि किसी भी समिति के प्रमुख को उनके फैसले की जानकारी देने का अधिकार सीमित कर दिया गया है।अब अगर हम गौतम गंभीर के चयन से इतर आने वाले समय मे उनकी चुनौतियों पर गौर करें तो फिर उनके लिए सचिव जय शाह की वह घोषणा जिसमें उन्होंने रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी और टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने का जिक्र किया है,हाल फिलहाल में सबसे बड़ा मिशन यही रहने वाला है।इन दोनों फॉर्मेट में कप्तान ओर विराट कोहली के साथ उनके कोआर्डिनेशन पर सभी जानकारों की नजरें टिकी है। हालांकि 2024 में टीम इंडिया को सबसे पहले घरेलू मैदानों पर अफगानिस्तान,बांग्लादेश और न्यूजीलैंड टीमों के साथ अलग अलग फॉर्मेट की सीरीज खेलना है जिसमें कोई खास चुनोती की उम्मीद नहीं है। लेकिन साउथ अफ्रीकी जमीन पर होने वाली टी20 सीरीज के बाद साल के अंत मे टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा और फिर 2025 में इंग्लैंड के साथ होने वाली घरेलू सीरीज गंभीर की असल परीक्षा लेगी। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड जैसी सख्शियत के ठीक विपरीत कलेवर वाले आक्रामक हेड कोच(गौतम गंभीर) टीम इंडिया के लिए कौन सा गुल खिलाते हैं।

महिला क्रिकेट: तीसरा व अंतिम टी-20 जीता और सीरीज 1-1 से बराबर की

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से धोया

चेन्नई एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 55 गेंद शेष रहते हुए 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसके साथ ही भारतीय महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। सीरीज का दूसरा मैच बारिश से धुल गया था। मेजबान भारतीय टीम ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम को 17.1 ओवर में 84 रन पर ढेर कर दिया। जवाब में भारतीय टीम ने 10.5 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 88 रन बनाए और जीत हासिल कर ली। स्मृति मंधाना और पूजा ने किया दमदार प्रदर्शन भारतीय टीम की जीत में मीडियम पेसर पूजा वस्त्राकर और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अहम भूमिका निभाई। प्लेयर ऑफ द मैच बनी

पूजा वस्त्राकर ने जबरदस्त गेंदबाजी की और 13 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करते हुए स्मृति मंधाना ने 40 गेंदों में आठ चौकों और दो छक्कों के साथ नाबाद 54 रन ठोके।

9 साल बाद आइपीएल में हो सकती है द्रविड़ की वापसी, बन सकते हैं केकेआर के मेंटोर

मुंबई. एजेंसी

भारतीय टीम को आइसीसी टी-20 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व कोच राहुल द्रविड़ जल्द नई जिम्मेदारी संभालते हुए दिख सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक द्रविड़ की 09 साल के बाद आइपीएल में वापसी हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, आइपीएल 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने द्रविड़ से टीम मेंटोर की भूमिका के लिए संपर्क किया है। 2016 में आखिरी बार आइपीएल में दिखने वाले द्रविड़ पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर की जगह लेंगे, जो भारतीय टीम के मुख्य कोच बन गए हैं। टीम इंडिया को एक दशक बाद विश्व कप ट्रॉफी दिलाने वाले द्रविड़ का कोच के तौर पर कद काफी बढ़ गया है। रिपोर्ट के तहत, द्रविड़ अब किसी भी टीम का पूर्णकालिक कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं लेकिन वह मेंटोर के तौर पर नई पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

द्रविड़ को लिखा पत्र

रोहित शर्मा बोले- मेरी पत्नी आपको मेरी वर्क वाइफ कहती है

नईदिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के लिए एक खास पत्र लिखा है। रोहित ने लिखा, प्रिय राहुल भाई, बचपन से मैं आपको करोड़ों अन्य लोगों की तरह देखता आया हूं। आप इस खेल के दिग्गज हैं, पर आपने अपनी प्रशंसा और उपलब्धियां दरवाजें पर छोड़ दीं और कोच के रूप में हमारे पास आए। आप सभी को उस स्तर पर लाए कि हम सभी को आपसे कुछ भी कहने में सहजता महसूस हुई। आपको अपना विश्वासपात्र, कोच और दोस्त कह पाना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने आगे लिखा, आप इस खेल के एक सच्चे महान हैं. लेकिन आपने अपनी सारी उपलब्धियां और महानता से आगे निकलकर हमें कोचिंग देना चुना है. एक ऐसे स्तर पर पहुंचे जहां हम सभी को आपसे कुछ भी कहने में सहजता महसूस हुई. यह आपका गिफ्ट है. आपकी बड़प्पन है कि आप इतने समय के बाद भी इस खेल के लिए आपने अपना प्यार दिया. मैंने आपसे बहुत कुछ सीखा है और हर याद को संजो कर रखूंगा.

मेट्रो बाजार

डिओर-अरमानी ब्रांड चंद रुपयों में खरीदते हैं माल, बेचते लाखों में

नईदिल्ली, एजेंसी

महंगे प्रोडक्ट्स के लिए मशहूर डिओर और अरमानी जैसे लग्जरी ब्रांड्स कौड़ियों के भाव सामान खरीदकर उन्हें लाखों रुपए में बेचते हैं। इटली के कई लग्जरी ब्रांड्स पर पड़े छापे और जांच में पता चला है कि दुनियाभर में मशहूर कई लग्जरी प्रोडक्ट बेचने वाली कंपनियां अपने सप्लायर्स को बहुत कम पैसा सामान की आपूर्ति के लिए देते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, जो सप्लायर्स डिओर और अरमानी के लिए सामान बनाते हैं, वे न तो अपने कारीगरों को उचित वेतन देते हैं और न ही सुविधाएं। इस खुलासे के बाज सोशल मीडिया पर दोनों ही कंपनियों की आलोचना हो रही है। इटली में कई कंपनियों पर वर्कर्स के वर्किंग कंडीशन को जानने के लिए छापेमारी की गई। जांच में डिओर और अरमानी के वर्कशॉप में कई ऐसे कर्मचारी पाए गए, जिनकी नियुक्ति सही दस्तावेजों के साथ नहीं हुई थी। मार्च-अप्रेल के दौरान इटली की पुलिस की जांच में यह भी पाया गया कि डिओर व अरमानी के लिए लग्जरी प्रोडक्ट्स बनाने वाले कर्मचारियों को गंदी जगहों पर काम करना पड़ रहा था। स्टाफ वर्कशॉप में सुबह से लेकर देर रात तक काम करते थे। उन्हें छुट्टियों के दिन भी काम करना पड़ता था। वर्कर्स जिन मशीनों को चलाते थे,

प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने के लिए उनसे सेफ्टी डिवाइस को हटा लिया गया था। इस मामले में लग्जरी कंपनियों की काफी आलोचना हो रही है। इटली की एजेंसियों ने सप्लाई चेन में लापरवाही को लेकर इन कंपनियों को आड़े हाथों लिया है। हालांकि, इन मामलों में कंपनियों को किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ेगा, लेकिन, दोनों कंपनियों के कुछ सप्लायर्स को कर्मचारियों का शोषण करने और बिना सही दस्तावेज के उनके साथ काम करवाने के मामले में कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि इन सप्लायर्स ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए वर्करों की सुरक्षा से समझौता किया था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मनीषा बोलीं- फोटोग्राफर ने बिकिनी पहनने को कहा, मना करने पर जाने को बोल दिया

बॉलीवुड एक्टर मनीषा कोइराला ने अपने स्ट्रगलिंग दौर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था तो एक फेमस फोटोग्राफर ने उन्हें फोटोशूट के दौरान बिकिनी में पोज देने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया था। मनीषा ने फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में कहा, जब मेरा करियर शुरू हुआ था तो मुझे लोगों ने फोटोशूट करवाने की सलाह दी। मैं एक फेमस फोटोग्राफर के पास गई। मैं अपनी मां के साथ गई और उस फोटोग्राफर ने मुझसे कहा, तुम अगली सुपरस्टार हो। इसके बाद वो मेरे लिए टू पीस बिकिनी ले आए और मुझसे फोटोशूट में उसे पहनने के लिए कहा। मनीषा आगे बोलीं, मैंने उन्हें कहा कि सर मैं बिकिनी तब पहनती हूं जब बीच पर जाती हूं या स्विमिंग करती हूं लेकिन अगर मुझे ऐसे फिल्में मिलेंगी तो मुझे काम नहीं करना। मैं बिकिनी नहीं पहनूंगी। मनीषा ने आगे कहा, मैंने उन्हें साफ कहा कि मैं पूरे कपड़ों में शूट करूंगी वरना नहीं। इसके बाद उन्होंने मुझसे कहा, जो मिट्टी पिघलने से शरमाती हो उसकी मूर्ति कैसे बनाएं। मैं ये बात आज तक नहीं भूली। इसके बाद उन्होंने मुझे जाने के लिए कह दिया। मनीषा कोइराला 1 मई को

नेटफिलक्स पर स्ट्रीम हुई सीरीज हीरामंडी में मल्लिकाजान के रोल में नजर आई थीं। सीरीज में उन्हें काफी पसंद किया गया है। ये दूसरी बार है, जब मनीषा कोइराला ने संजय लीला भंसाली के साथ काम किया है। इससे पहले उन्होंने 1996 की फिल्म खामोशी में उनके साथ काम किया था। फिल्मों की बात करें तो मनीषा कोइराला की आखिरी थिएट्रिकल फिल्म शहजादा थी। 2023 में रिलीज हुई इस फिल्म में मनीषा ने कार्तिक आर्यन की मां का किरदार निभाया था। सौदागर (1991) से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद वो गुप्त, दिल से, अकेले हम अकेले तुम जैसी फिल्मों का हिस्सा रही थीं।

'स्क्रिप्ट की डिमांड पर इंटीमेट सीन कर सकती हूं': रकुल

रकुल प्रीत सिंह का नाम बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में गिना जाता है। उन्होंने 2017 में दिए एक इंटरव्यू में इंटीमेट सीन को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इंटीमेट सीन करने में परहेज नहीं है। रकुल का कहना था- सीन की डिमांड पर मैं इंटीमेट सीन या लिप-लॉक करने के लिए तैयार हूं। लेकिन इस तरह के सीन को जबरदस्ती पब्लिसिटी के लिए फिल्म में नहीं डालना चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि ग्लैमर फिल्म इंडस्ट्री का जरूरी हिस्सा है, हर कोई चाहता है कि वो अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को ग्लैमरस कपड़ों में देखे। रकुल बहुत जल्द ही फिल्म 'इंडियन 2' में नजर आएंगी। ये फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कमल हासन लीड रोल में नजर आएंगे। उनके अलावा प्रिया भवानी शंकर, काजल अग्रवाल, बॉबी सिम्हा, सिद्धार्थ, समुथिरकानी और ब्रह्मानंदम भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म का पहला पार्ट साल 1996 में रिलीज हुआ था और अब 28 साल बाद इसका दूसरा पार्ट लाया जा रहा है। इसके अलावा रकुल फिल्म दे दे प्यार दे के सीक्वल में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन और आर माधवन होंगे।

सोनम खान बोलीं- 'यश चोपड़ा ने दी थी शादी न करने की सलाह

सोनम खान ने यश चोपड़ा की फिल्म विजय से करियर की शुरुआत की थी। 1988 की इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर भी नजर आए थे। सोनम 1988 से 1994 तक फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव थीं। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग छोड़ने का फैसला कर लिया था। वे 18 साल की उम्र में डायरेक्टर राजीव राय से शादी करना चाहती थीं। हालांकि उनके इस फैसले से यश चोपड़ा बिल्कुल सहमत नहीं थे। उन्होंने सोनम को कम उम्र में शादी करने से मना भी किया था। उनका कहना था कि सोनम को शादी के लिए अपना करियर दांव पर नहीं लगाना चाहिए। हालांकि सोनम ने उनकी बात नहीं सुनी थी। यश चोपड़ा ने शादी करने से मना किया था सोनम ने न्यूज 18 शोशा को दिए इंटरव्यू में इस घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा- शादी से पहले मुझे सलमान खान के साथ एक फिल्म ऑफर हुई थी। मुझे यश चोपड़ा ने फिल्म आइना का भी ऑफर दिया था।

सिर्फ 21 साल की उम्र में ही बन चुकी थी मां

सोनम ने बताया कि उन्होंने 17 साल की उम्र में काम करना छोड़ दिया था। 18 की उम्र में शादी कर ली थी और 21 साल की उम्र में पहले बच्चे की मां बन गई थीं। सोनम ने बताया कि जब मैंने यश चोपड़ा से कहा कि मैं ये फिल्म नहीं कर सकती हूं तो उन्होंने कहा- तुम शादी मत करो, तुम ऐसा करके गलती कर रही हो। हालांकि मैंने उनकी बात नहीं सुनी।

किसी को शादी की वजह से काम करना नहीं छोड़ना चाहिए

सोनम ने इस पर भी अपनी राय रखी कि उन्हें कम उम्र में करियर छोड़ने का मलाल है या नहीं। उन्होंने कहा- हां, पछतावा हुआ था। किसी भी महिला को काम नहीं छोड़ना चाहिए, चाहे कुछ भी हो। अगर शादी किसी अरबपति से भी हो रही हो, तो भी महिला को काम करना नहीं छोड़ना चाहिए। सोनम ने 1991 में राजीव राय से शादी की थी। शादी के 3 साल बाद दोनों बेटे गौरव के पेरेंट्स बने। हालांकि उनकी ये शादी 25 साल बाद टूट गई। सोनम अब बॉलीवुड में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

कूलर से करंट लगा, युवक की हुई मौत

घर का सुधार रहा था कूलर तभी लगा झटका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित वल्लभ नगर में क्रमांक एक में बुधवार दोपहर करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। उसे कूलर से करंट लगा था। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार कन्हैयालाल विश्वकर्मा पिता दिप्ती विश्वकर्मा (35) वल्लभ नंगर गेट क्रमांक एक के पास रहता था और प्राइवेट काम करता था। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे वह घर का कूलर सुधार रहा था, तभी उसे करंट का तगड़ा झटका लगा और वह गिर गया। करंट का झटका इतना तगड़ा था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गईड़थी और हाथ झुलस गया था। पड़ोसी दिनेश कुमार ने घटना की सूचना अरेरा हिल्स पुलिस को दी थी। मौके पर पहुंची अरेरा हिल्स पुलिस ने कन्हैयालाल का शव पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मर्ग कायम कर कर लिया है। फिलहाल पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ग्राम सुहाया स्थित गौशाला के पास हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया इलाके में मंगलवार की शाम एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक दीपक कुशवाह पुत्र भंवरलाल (26) ग्राम बसई में रहता था और खेती किसानी करता था। मंगलवार को वह किसी काम से सिरोंज गया था। शाम को अपनी बाइक से वापस लौट रहा था। शाम करीब सात दीपक ग्राम सुहाया स्थित गौशाला के पास पहुंचा, तभी अज्ञात चार पहिया वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 100 ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, वहां डाक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

काटजू अस्पताल के पास मुख्य सड़क पर पल्सर बाइक से आए लुटेरों ने की थी वारदात

सीएम हाउस के कर्मचारी से मोबाइल लूटने वाले लुटेरों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित काटजू अस्पताल के पास मुख्य सड़क पर परिजन से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे सीएम हाउस के कर्मचारी से पल्सर बाइक से लुटेरो ने मोबाइल झपट लिया। घटना 26 जून शुक्रवार रात करीब सवा दस बजे के आसपास की है। दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस को लुटेरों का सुराग नहीं लगा। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, लेकिन रात के फुटेज होने के कारण लुटेरों की बाइक का नंबर और चेहरा साफ नजर नहीं आ रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर कॉलोनी, श्यामला हिल्स निवासी 44 साल के धीरेंद्र शर्मा, सीएम हाउस के मीडिया सेल में फोटोग्राफर है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार रात वह दफ्तर से निकलने के बाद बाइक से जवाहर चौक स्थित भोजनालय जा रहे थे। वे काटजू अस्पताल के सामने मुख्य रोड पर पहुंचे ही थे कि सवा दस बजे के आसपास उनके मोबाइल पर वीडियो कॉल आया। वे वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे थे, तभी पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बाइक चला रहा लुटेरा बाइक तेजी से लेकर भागने लगा। धीरेंद्र ने बाइक सवारों का पीछा किया, लेकिन वे तेजी से निकल गए। इसके बाद धीरेंद्र शर्मा ने टीटी नगर थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लूटे गए मोबाइल की कीमत 15 हजार रुपए बताई जा रही है।

बाइक सवार मादक पदार्थ तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

5 किलोग्राम गांजा और बाइक समेत डेढ़ लाख का माल बरामद

रातीबड़ पुलिस ने बाइक सवार मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 5 किलोग्राम से ज्यादा गांजा और बाइक समेत करीब डेड़ लाख रुपए का माल जब्त किया गया है। थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने बताया कि मंगलवार देर रात सरवर जोड़ के पास चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मोटर सायकिल पर सवार दो युवकों को रोका गया। एक युवक बाइक चला रहा था, जबकि पीछे बैठा युवक बोरी पकड़े था। पूछताछ करने पर युवकों ने अपने नाम राजेंद्र जांगड़े (22) निवासी बिलकिसगंज सीहोर और राजू गुर्जर (30) निवासी ग्राम लीलाखेड़ी थाना बिलकिसगंज सीहोर बताया। उनके पास मौजूद बोरी को खोलकर देखा गया तो अंदर पांच किलो से ज्यादा गांजा रखा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। जब्त हुए गांजे, बाइक और दो मोबाइल की कीमत करीब डेड़ लाख रुपए बताई गई है। आरोपी राजू गुर्जर के खिलाफ बिलकिसगंज में करीब एक दर्जन अपराध पहले से दर्ज हैं।

मैनेजमेंट की छात्रा ने कलियासोत डैम में कूदकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित वाल्मी कैंपस के पास बुधवार सुबह कलियासोत डैम में एमबीए की छात्रा ने छलांग लगा दी। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद उसकी छोटी बहन को सौंप दिया है। वह बड़ी बहन का शव लेकर रामनगर मैहर के लिए निकल गई। गुरुवार को उसका मैहर में दाह संस्कार किया जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार रजनी पटेल पिता कमलेश पटेल (26) ललिता नगर, कोलार में अपनी छोटी बहन मेनका पटेल के साथ रहती थी। रजनी निजी कॉलेज से एमबीए कर रही थी। दोनों बहन पढ़ाई के साथ ललिता नगर स्थित रेलवे के एक कॉल सेंटर में काम भी करती थी। बुधवार सुबह 7 बजे दोनों बहनें कॉल सेंटर पहुंची। करीब एक घंटे काम करने के बाद रजनी ने कॉल सेंटर से छुट्टी ली और घर जाने का कहकर निकली थी। इसके बाद वह कलियासोत डैम स्थित वाल्मी कैंपस पहुंची थी। नहर पर कुछ देर तक वह टहलती रही फिर अपना मोबाइल, सेंडल और दुपट्टा नहर पर रखकर उसने डैम में छलांग लगा दी। गार्ड ने मोबाइल, सेंडल और दुपट्टा देखकर पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से रजनी का शव बाहर निकाला और पीएम के लिए भेज दिया।

लास्ट काल कॉल सेंटर पर

बताया जाता है कि रजनी ने अपने मोबाइल से लास्ट कॉल, कॉल सेंटर पर किया था। इसी आधार पर पुलिस ने कॉल सेंटर से संपर्क किया और रजनी की पहचान करते हुए छोटी बहन को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची छोटी बहन ने मृतका की पहचान ब?ी बहन रजनी पटेल के रूप में कर ली। पुलिस का कहना है कि मृतका रजनी पटेल के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मोबाइल जब्त किया है। पुलिस मोबाइल की सीडीआर निकलवा रही है।

नित्य सेवा सोसायटी से पंद्रह साल के दो किशोर लापता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित कपड़ा मील की चाल में संचालित होने वाली नित्य सेवा सोसायटी से दो किशोरों के रहस्यमय तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने नित्य सेवा सोसायटी की महिलाकर्मी की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस दोनों किशोरों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 40 साल की मंजू यादव नित्य सेवा सोसायटी में काम करती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकातय करते हुए बताया कि पंद्रह साल के दो किशोरों को करीब चार साल पहले नित्य सेवा सोसायटी में रखा गया था। उनके माता पिता नहीं है। दोनों यहां रहकर पढ़ाई कर रहे थे। मंजू ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह सभी बच्चों को स्कूल भेजने की लिए तैयार किया जा रहाड़था। इस दौरान पता चला कि दो बच्चे हॉस्टल में कम है। उनकी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई।

भोपाल। आरटीओ में कियोस्क संचालकों व एजेंटों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते प्रतिष्ठान बंद रखें और कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया।

बीसीसीएल बस में ड्राइवर-कंडक्टर से मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सूरजनगर में बीसीसीएल की बस में दो बदमाशों ने गुंडागर्दी करते हुए ड्राइवर-कंडक्टर की लात-घुंसों से पिटाई कर दी। इस मारपीट में दोनों को चोट आई है। वहीं, यात्रियों में भी दहशत का माहौल बन गया। गुंडागर्दी की पूरी घटना बस में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। घटना बुधवार शाम 5 बजे की है। सिटी बस नंबर- एमपी 04 पीए 4319 सूरज नगर तिराहे से गुजर रही थी। तभी टूव्हीलर से दो बदमाश आए और उन्होंने बस को रुकवा दिया। इसके बाद वे बस में चड़ गए। महिला यात्रियों के सामने ही गाली-गलौच करते हुए ड्राइवर को पीटने लगे। जब कंडक्टर ने बीच-बचाव किया तो उसके साथ भी लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। ड्राइवर कृष्ण पाल ने बताया, बस में महिला आरक्षित सीट पर एक व्यक्ति बैठा गया था। उसे वहां से हटने और दूसरी सीट पर बैठने का कहा गया, जिससे वह भड़क गया। कुछ देर में ही सूरज नगर के पास दो युवकों ने मारपीट कर दी। इस मारपीट में ड्राइवर कृष्णपाल सिंह और कंडक्टर मुनि महेश घायल हो गए। ड्राइवर कृष्णपाल की नाक से खून बह गया। महेश को भी चोट आई है।

दहशत में आ गए यात्री: बीसीसीएल (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) से अधिकृत बस ऑपरेटर इनक्यूबेट सॉफ्टटेक द्वारा मार्ग नंबर-413 में बस का संचालन किया जाता है। इसी में यह घटना हुई है। इस घटना से ड्राइवर-कंडक्टर के साथ बस में बैठी महिलाएं भी दहशत में आ गई।

मेट्रो एंकर | एलएनसीटी मेडिकल कॉलेज में जागरूकता शिविर का आयोजन

टेक्नोलॉजी का उपयोग कर पुलिस अनुसंधान और न्याय प्रक्रिया की प्रणाली में सुधार की दी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। थाना कोलार रोड भोपाल द्वारा बुधवार को एलएन मेडीकल कॉलेज में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एक जुलाई से लागू हुए नए कानूनों की जानकारी के लिए आयोजित किया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा, एडिशनल कमिश्नर पंकज श्रीवास्तव, डीसीपी जोन 4 सुंदर सिंह कनेश, एडीसीपी मलकीत सिंह, एसीपी अंजली रघुवंशी, थाना प्रभारी चूनाभट्टी भूपिंदर सिंह कौर और थाना प्रभारी कोलार निरीक्षक आशुतोष उपाध्याय, एलएन मेडीकल कालेज के पदाधिकारी, डाक्टर्स, मेडीकल छात्र व अन्य गणमान्य नागरीक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने एक जुलाई से लागू नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सबंध में विस्तार से बताया। नए कानूनों में किस प्रकार से टेक्नोलॉजी का उपयोग कर पुलिस अनुसंधान व न्याय प्रक्रिया की प्रणाली मे सुधार किया गया है, इसकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्रों व आमजन ने भी नए कानून को लेकर अपने सवालों को रखा, जिनके प्रश्नों का पुलिस अधिकारियों ने जवाब दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022